संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक -178 मंगलवार , 30 अप्रैल 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

शरिया कानून पर सुप्रीमकोर्ट करेगी फैसला

» केरल की महिला ने शरिया कानून को लेकर सुप्रीम कोर्ट मे डाली रिट याचिका...

» याचिकाकर्ता महिला की याचिका पर सुनवाई को राजी हुआ सुप्रीम कोर्ट...

» सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में एक कानूनी अधिकारी की नियुक्ति का दिया आदेश...

नई दिल्ली,29 अप्रैल 2024(ए)। पूर्व मुस्लिमों पर शरिया कानून लागू होगा या नहीं.इस मामले पर अब सुप्रीम कोर्ट में फैसला लेगा। दरअसल सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस डीवाईचंद्रचूड़ के नेतृत्व वाले 3 सदस्यीय पीठ ने एक महिला द्वारा डाली गई रिट याचिका पर सुनवाई की। इस याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने इसे एक अहम मुद्दा बताया है। इसके साथ ही अटॉर्नी जनरल को कहा कि वो एक कानूनी अधिकारी को नियुक्त करे जो कोर्ट की इस मामले में मदद कर सके। बता दें कि अब इस मामले में जुलाई के दूसरे सप्ताह में सुनवाई होगी।

याचिका में क्या की गई मांग

याचिका को साफिया नाम की महिला ने दायर किया था। इस याचिका में साफिया ने सुप्रीम कोर्ट से निवेदन किया है कि वो एक आदेश पारित करे कि जो इस्लाम मजहब छोड़ चुके हैं वो लोग शरीयत की जगह भारत के सेक्युलर कानून के अंतर्गत आना चाहें तो उन लोगों को इसकी अनुमति दी जाए। दरअसल याचिकाकर्ता के पिता ने आधिकारिक तौर पर मजहब नहीं छोड़ा है। जिसकी वजह से वो अपनी बेटी के अधिकारों को सुरक्षित नहीं रख पा रहे हैं। इसलिए वो चाहती है कि उस पर शरिया कानून लागू न किया जाए लेकिन अभी तक भारतीय कानून में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है।

वकील ने कोर्ट में रखा साफिया का पक्ष

वकील ने याचिकाकर्ता का पक्ष अदालत में रखते हुए कहा कि उसके पिता चाहकर भी साफिया को एक तिहाई से अधिक संपत्ति नहीं दे सकते हैं। बता दें कि याचिकाकर्ता की एक बेटी भी है। वकील ने आगे कहा कि संपत्ति का दो तिहाई उसके भाई को मिलेगा। बता दें कि याचिकाकर्ता का भाई डाउन सिंड्रोम से पीडित है। याचिकाकर्ता अपने भाई की देखभाल कर रही है और ताउम्र करती रहेगी लेकिन अगर उसके भाई की मृत्यु हो जाए तो उसके हिस्से पर अन्य रिश्तेदार दावा कर सकते हैं।

ममता सरकार को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका

संदेशखाली मामले में जारी रहेगी सीबीआई जांच

नई दिल्ली,29 अप्रैल 2024 (ए)। संदेशखाली मामले में सुप्रीम कोर्ट से पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार को कोई राहत नहीं मिली है। सुप्रीम कोर्ट नें मामले की सुनवाई करते हुए कहा है कि संदेशखाली केस में सीबीआई जांच जारी रहेगी। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के आदेश पर रोक नहीं लगाई है। सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी की है कि 'राज्य सरकार किसी व्यक्ति के हित की रक्षा के लिए सुप्रीम कोर्ट का रुख कैसे कर सकती है। गर्मियों की छुट्टियों के बाद अदालत इस मामले की सुनवाई करेगा। मामले की सुनवाई जस्टिस बी आर गवई और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने की। दरअसल कलकत्ता हाई कोर्ट ने ममता सरकार को जोरदार झटका देते हुए संदेशखाली केस की सीबीआई जांच करने का फैसला सुनाया था। कलकत्ता हाईकोर्ट ने संदेशखाली कांड की सीबीआई जांच के आदेश दिए थे और कहा था जांच की निगरानी खुद कलकत्ता हाईकोर्ट करेगी। मामले में पश्चिम बंगाल सरकार ने कुछ समय की मांग की, अब संदेशकाली मामले की सुनवाई जुलाई में सुनवाई होगी।

क्यों सीजेआई चंद्रचूड़ ने भरे सुप्रीम कोर्ट में अपना पुराना आदेश ले लिया वापस?

नई दिल्ली,29 अप्रैल 2024(ए)। 14 साल की नाबालिग रेप पीड़िता लड़की के गर्भपात की अनुमति देने का मामले में सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने गर्भपात कराने की अनुमति देने का अपना पुराना आदेश वापस लेते हुए कहा बच्चे का हित सर्वोपरि है।

मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली तीन-न्यायाधीशों की पीठ ने माता-पिता दोनों से बात करने के बाद आदेश को पलट दिया। सीजेआई ने कहा कि नाबालिग लड़की के माता-पिता ने अपनी बेटी को घर वापस ले जाने और बच्चे को जन्म देने की इच्छा व्यक्त की जिसके बाद कोर्ट ने अपना गर्भपात कराए जाने का दिया हुआ। आदेश वापस ले लिया. सीजेआई ने कहा कि माता-पिता दोनों से बात करने के बाद आदेश वापस लेते हुए अपना फैसला सुरक्षित रख लिया।

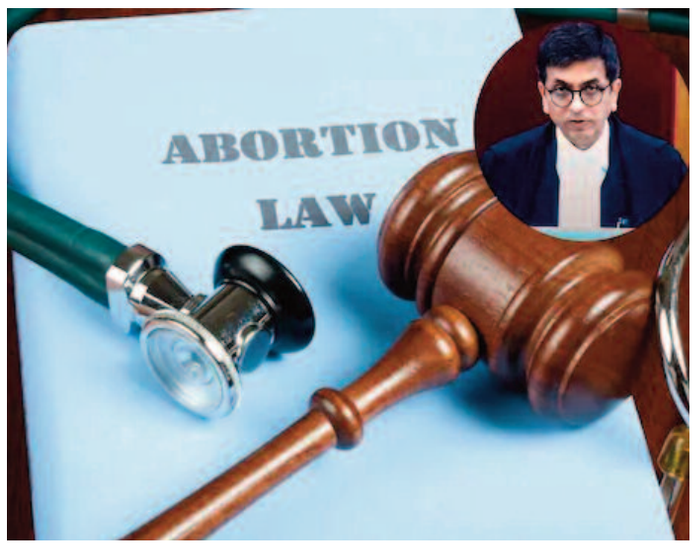

22 अप्रैल को, सुप्रीम कोर्ट ने नाबालिग लड़की की गर्भावस्था को तत्काल चिकित्सकीय रूप से समाप्त करने का आदेश दिया था, क्योंकि उसने बॉम्बे हाई कोर्ट के उस आदेश को रद्द कर दिया था, जिसमें गर्भपात से इनकार किया गया था. सुप्रीम कोर्ट ने गर्भपात की अनुमति देने के लिए 'पूर्ण न्याय' करने के लिए संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत अपनी असाधारण शक्तियों का इस्तेमाल किया और कहा कि लड़की पहले से ही 30 सप्ताह की गर्भवती थी और उसे अपनी स्थिति के बारे में बहुत देर से पता चला।

मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी (एमटीपी) अधिनियम विवाहित महिलाओं के साथ-साथ विशेष श्रेणियों की महिलाओं, जिनमें बलात्कार पीड़िताएं, और अन्य कमजोर महिलाएं, जैसे विशेष रूप से सक्षम और नाबालिग शामिल हैं, को 24 सप्ताह तक गर्भावस्था को समाप्त करने की अनुमति देता है। पहले की मेडिकल बोर्ड जांच में कहा गया था कि यदि लड़की गर्भपात कराती है,तो बच्चा जीवित पैदा होगा और उसे नवजात देखभाल इकाई में भर्ती करने की आवश्यकता होगी, जिससे बच्चे और लड़की दोनों को खतरा होगा।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में निलंबित आईएएस पूजा सिंघल को झटका

» सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की जमानत अर्जी

रांची,29 अप्रैल 2024(ए)। सुप्रीम कोर्ट ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जेल में बंद झारखंड की निलंबित आईएएस पूजा सिंघल की जमानत अर्जी खारिज कर दी है। उनकी याचिका पर सोमवार को हुई सुनवाई और बहस के बाद अदालत ने उन्हें बेल देने से इनकार कर दिया।

पूजा सिंघल को झारखंड के खूंटी में मनरेगा घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में ईडी ने 11 मई 2022 को गिरफ्तार किया था। इसके पहले एजेंसी ने उनके आवास सहित विभिन्न ठिकानों पर छापेमारी की थी।

इस दौरान उनके पति अभिषेक झा के सीए सुमन कुमार के आवास से 20 करोड़ रुपए नकद बरामद किए थे। जेल भेजे जाने के बाद झारखंड सरकार ने उन्हें निलंबित कर दिया था।

कोर्ट ने उन्हें पुत्री के इलाज के लिए कुछ दिनों के लिए जमानत दी थी, लेकिन बाद में उन्हें फिर सरेंडर करने का आदेश दिया गया था। इसके बाद सिंघल ने 12 अप्रैल 2023 को रांची ईडी की विशेष कोर्ट में सरेंडर किया था। तब से वह रांची के बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार में न्यायिक हिरासत में हैं।मनी लॉन्ड्रिंग केस में उनके पति अभिषेक झा भी आरोपी हैं, लेकिन सुप्रीम कोर्ट से उन्हें अग्रिम जमानत मिली हुई है। पूजा सिंघल ने खराब स्वास्थ्य का हवाला देते हुए जमानत की गुहार लगाई थी। उनके वकील ने दलील दी थी कि पूजा सिंघल 585 दिनों से जेल में बंद हैं। ईडी ने उनके खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर दी है। उनका स्वास्थ्य लगातार खराब चल रहा है। इसलिए उन्हें जमानत दी जाए।

जयपुर, कोलकाता,गोवा सहित कई हवाई अड्डों पर हाई अलर्ट,बम से उड़ाने की धमकी के बाद बढ़ी सुरक्षा

इंदौर,29 अप्रैल 2024(ए)। देशभर में चुनाव का माहौल चल रहा है। इस बीच एक मेल के जरिए देश भर के कई हवाई अड्डों को बम से उड़ाने का धमकी दी गई है। इसके बाद जयपुर, कोलकाता व गोवा सहित कई हवाई अड्डों की सुरक्षा बढ़ा दी गई है।एक वरिष्ठ अधिकारी ने जानकारी दी कि 29 अप्रैल 2024 को एक ई-मेल मिला। उसमें अज्ञात व्यक्ति ने यह धमकी दी कि जयपुर, गोवा सहित कई हवाई अड्डों को बम से उड़ा दिया जाएगा। इन हवाई अड्डों पर बम रखा हुआ है। इस ई-मेल के मिलने के बाद प्रशासन सतर्क हो गया। इन हवाई अड्डों पर सुरक्षा अधिकारियों को हाई अलर्ट पर कर सुरक्षा को बढ़ा दिया। हर किसी संदिग्ध व्यक्ति व वस्तु की जांच की कार्यवाही की जा रही है।

जयपुर एयरपोर्ट पर अभी तक कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है। एयरपोर्ट पुलिस स्टेशन के एसएचओ मोती लाल ने कहा कि एयरपोर्ट अधिकारियों को अज्ञात व्यक्ति के जरिए ई-मेल मिला था। उसमें बम धमाके की धमकी दी गई थी। उसके बाद हवाई अड्डे की हर तरह से जांच की, लेकिन किसी भी तरह की संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है। उन्होंने बताया कि 26 अप्रैल को धमकी दी गई थी, लेकिन तब भी कुछ भी नहीं मिला था। हम ई-मेल भेजने वाले अज्ञात व्यक्ति की जांच कर रहे हैं। उसको जल्द ही पकड़ लिया जाएगा।

कांग्रेस प्रत्याशी ने नामांकन ले लिया वापस

इंदौर,29 अप्रैल 2024 (ए)। गुजरात की तरह मध्य प्रदेश में भी कांग्रेस को एक और झटका लगा है. इंदौर लोकसभा सीट से पार्टी के उम्मीदवार अक्षय कांति बम ने अपना नामांकन वापस ले लिया है. यही नहीं, कांग्रेस छोड़कर अक्षय बम ने बीजेपी का दामन थाम लिया है. बीजेपी के वरिष्ठ नेता और मध्य प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने इसकी जानकारी दी है. कैलाश विजयवर्गीय ने अक्षय बम के साथ सेल्फी शेयर करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा, इंदौर से कांग्रेस के लोकसभा प्रत्याशी अक्षय कांति बम का माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव और प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा के नेतृत्व में भाजपा में स्वागत है.

आरक्षण को किसी ने हाथ लगाया तो हाथ जला देंगे,हुआ जमकर बवाल

राजगढ़,29 अप्रैल 2024 (ए)। मध्यप्रदेश के राज्य मंत्री का आरक्षण को लेकर बड़ा बयान सामने आया है। एक विवाह कार्यक्रम में पहुंचे राज्य मंत्री ने कहा कि आरक्षण को किसी ने हाथ लगाया तो हाथ जला देंगे। उनके बयान के बाद जमकर बवाल की खबर है।दरअसल रविवार को राजगढ़ के मंडावर में मेघवाल समाज के विवाह कार्यक्रम में राज्य मंत्री गौतम टेटवाल पहुंचे थे, जहां उन्होंने मंच से कहा अगर किसी ने आरक्षण को हाथ लगाया तो उसके हाथ जला देंगे। मंत्री के इस भाषण से मौके पर मौजूद लोगों ने जमकर बवाल कर दिया। मंत्री गौतम टेटवाल के भाषण को रुकवा कर मौके पर मौजूद लोग कहने लगे आप ही के पार्टी के लोग कह रहे है कि भाजपा की अगर 400 प्लस सीटें आई तो संविधान को बदल देंगे। इसके बाद विवाह कार्यक्रम का माहौल गरमा गया। माहौल को गरम देखकर राज्य मंत्री गौतम टेटवाल को मंच छोड़कर जाना पड़ा।

जमानत के लिए निचली अदालत में क्यों नहीं गए अरविंद केजरीवाल

नई दिल्ली,29 अप्रैल 2024 (ए)। दिल्ली आबकारी नीति केस में तिहाड़ जेल में बंद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने पूछा है कि मुख्यमंत्री ने निचली अदालत में जमानत की अर्जी क्यों नहीं दायर की।

केजरीवाल की तरफ से पेश हुए वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि गिरफ्तारी गैर कानूनी होने के कारण जमानत के लिए अर्जी दायर नहीं की गई थी। दरअसल केजरीवाल ने ईडी की तरफ से की गई गिरफ्तारी को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। केजरीवाल की याचिका पर सुनवाई जस्टिस संजीव खन्ना की बेंच कर रही है। सुनवाई के दौरान जस्टिस संजीव खन्ना ने पूछा कि आपने ट्रायल कोर्ट में जमानत याचिका दायर की है, जिसके जवाब में केजरीवाल के वकील एमएम सिंघवी ने कहा है कि वो जमानत के लिए नहीं है।

25,753 स्कूली नौकरियां खत्म करने के हाईकोर्ट के आदेश पर रोक से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

नई दिल्ली,29 अप्रैल 2024 (ए)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग (डब्ल्यूबीएसएससी) द्वारा 2016 में शिक्षण और गैर-शिक्षण पदों पर की गई 25,753 नियुक्तियों को रद्द करने के कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगाने से इनकार कर दिया।हालांकि, सीजेआई डी.वाई.चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि अगली तारीख तक केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा राज्य सरकार के उन अधिकारियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी, जो सुपर-न्यूमेरिक पदों के सृजन को मंजूरी देने में शामिल थे। पीठ में न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा भी शामिल थे। पीठ ने कहा कि वह इस मामले पर सोमवार को आगे की सुनवाई करेगी।पीठ ने याचिकाकर्ता पक्ष से यह दिखाने के लिए भी कहा कि क्या राज्य के माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में नौकरियों की विभिन्न श्रेणियों के लिए 2016 में सूचीबद्ध सभी 25,753 व्यक्तियों की वैध नियुक्तियों को अलग करने के लिए कोई द्वितीयक सामग्री उपलब्ध है।

हेमंत सोरेन की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट का ईडी को नोटिस

नई दिल्ली,29 अप्रैल 2024 (ए)। ईडी की कार्रवाई को चुनौती देने वाली झारखंड के पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को सुनवाई की। कोर्ट ने इस पर ईडी को नोटिस जारी करते हुए अगली सुनवाई 6 मई से शुरू हो रहे हफ्ते में मुकर्रर की है। जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता की बेंच ने कहा कि इस बीच झारखंड हाईकोर्ट के पास इसी मामले को लेकर हेमंत सोरेन की याचिका पर सुरक्षित रखा गया फैसला सुनाने का विकल्प खुला है।

संपादकीय

सहज तौर पर तलाक दे/ले

रिलेटिव इंपोटेंसी के कारण विवाह बरकरार न रख पाने वाले दंपति की शादी बंबई हाईकोर्ट ने निरस्त कर दी। अदालत के फैसले के अनुसार दंपति की हताशा को नजरंदाज नहीं किया जा सकता तथा कहा कि रिलेटिव इंपोटेंसी की विभिन्न शारीरिक व मानसिक वजह हो सकती है। विवाह जारी न रह पाने की वजह प्रत्यक्ष तौर पर पत्नी के साथ शारीरिक संबंध बना पाने में पति की अक्षमता है।अपने फैसले में उच्च अदालत ने कहा कि शुरुआत में संबंध न बना पाने के लिए उसने अपनी पत्नी को दोषी को ठहराया क्योंकि वह यह स्वीकारने में असमर्थ था कि वह दैहिक संबंध कायम करने में असमर्थ है। दोनों का विवाह मार्च 2023 में हुआ था, परंतु वे 17 दिन बाद ही अलग हो गए। मामले को फरवरी 2024 में परिवार अदालत ने खारिज कर दिया था। उसका कहना था कि मिली-भगत से तलाक की अर्जी दायर की गई है। पति नहीं चाहता था कि उस पर नपुंसकता का धब्बा लगे।रिलेटिव इंपोटेंसी में कोई शख्स किसी विशेष के साथ दैहिक संबंध कायम करने में असमर्थ हो जाता है। यह सामान्य नपुंसकता से भिन्न है। यह फैसला तलाक की अर्जी लगाने वाले ढेरों दंपतियों के लिए सुकून की सांस लेन वाला साबित हो सकता है।अपने समाज में अभी भी शादियां टूटने के मामले औसतन बहुत कम हैं। उस पर इस तरह के गोपन आरोप लगाने वाले अपनी सामाजिक तौहीन को लेकर बहुत भावुक हो जाते हैं। ज्यादातर मामलों में उन्हें अपनी चूक या अक्षमता को पचा पाने का नैतिक साहस नहीं होता है।चूंकि अभी भी अमूमन शादियां परिवारों द्वारा निश्चित की जाती हैं, ऐसे में दंपति में सामंजस्य न बैठ पाना, गैरमामूली नहीं कहा जा सकता। हालांकि यदि पति को ऐसा कोई संदेह पहले था तो उसे चिकित्सकीय परामर्श अवश्य लेनी चाहिए। विचारणीय बात तो यह भी है कि जब दोनों आपसी सहमति से विवाह के कायम न रखने को राजी हैं।अगर उनके दरम्यान कोई मतभेद नहीं हैं तो संबंध विच्छेद के मध्य किसी को आने की आवश्यकता नहीं रह जाती। पौरुषहीनता का आरोप जड़ कर संबंध विच्छेद करना, उसकी समूची शख्सियत को छलनी करने सरीखा है।

मोबाइल की आभासी दुनिया में खोता बालमन

"दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में हुए एक अध्ययन में भी साफ हो गया है...कि शहरी बच्चें,गेमिंग,सोशियल मीडिया और ओटीटी प्लेटफार्म के आदी होते जा रहे हैं...इसका परिणाम यह होता जा रहा है कि बालक मन संवेदनहीन होता जा रहा है..."

सोशल मीडिया पर आये दिन इस तरह की तस्वीर देखने को मिल जाएगी जिसमें ड्राइंग रुम में तो परिवार के लगभग सभी सदस्य बैठे हैं पर उनके बीच किसी तरह के संवाद की बात करना ही बेमानी होगा। सभी अपने-अपने स्थान पर अपने मोबाइल फोन में खोये मिलेंगे। खोये होने का मतलब साफ है कि कोई गेमिंग कर रहा होगा तो कोई इंस्टाग्राम,फेसबुक,वाट्सएप या इसी तरह के किसी दूसरे एप पर व्यस्त होगा। सवाल साफ है कि जो हम देखेंगे उसमें हमें पसंद भी वोही आएगा जो अधिक ग्लेमरस होगा और यही कारण है कि गेमिंग, चेटिंग या फिर रील्स बनाने देखने में बच्चों से बड़े तक व्यस्त मिलेंगे। इसके साथ ही गेमिंग जहां बच्चों बड़ों को लालच दिखाकर एक तरह से जुआरी बना रही हैं वहीं कुछ गेम तो इस कदर हानिकारक रहे हैं कि उन्हें फॉलों करते करते बच्चों को अपने जीवन से हाथ धोना पड़ा है। सोशल मीडिया, ओटीटी व गेमिंग के साथ ही गूगल बाबा सहित खोजी चैनलों,डिजिटल प्लेटफार्म खोजी सामग्री तो कोई समाचार देखते-देखते ही कितने तरह के विज्ञापन सामने आ जाते हैं उनमें कई बार तो लगभग प्रोन जैसी सामग्री होने के बावजूद मजे से परोसी जाती रहती है और उसे बेन करने या सेंसर करने का कोई सिस्टम नहीं होने से उसका दुष्प्रभाव साफ देखा जाता है। भले ही सरकार द्वारा इस तरह के चैनलों, प्लेटफार्म, एप आदि पर रोक लगाने के लाख दावें किये जाते हो पर साफतौर से इस तरह की सामग्री आम है। इसके साथ ही इन प्लेटफार्मों पर परोसी जाने वाली सामग्री बच्चों तक नहीं पहुंचे।

बालमन पर को प्रदूषित नही करें, इसकी कोई व्यवस्था नहीं होती है। जब इन प्लेटफार्मों पर हिंसा,यौन सामग्री, गेमिंग, संवेदनहीनता, तनाव, आत्महत्या या बदले की भावना प्रेरित करने वाली सामग्री परोसी जाएगी तो उसका प्रभाव से नकारा नहीं जा सकता। दरअसल यह विश्वव्यापी समस्या हो गई है और इसका समाधान समय रहते नहीं खोजा गया तो इसके जो दुष्परिणाम आएंगे व आने लगे हैं वे समाज के लिए भयावह होंगे, इस खतरे को समझना होगा।

तस्वीर का एक पक्ष यह भी है कि एक दूसरे से तत्काल संवाद कायम करने का माध्यम स्मार्टफोन, सोशल मीडिया और इंटरनेट पर परोसी जाने वाली सामग्री का सर्वाधिक दुष्प्रभाव बालक मन पर पड़ रहा है। तकनीक का इस तरह का दुष्प्रभाव संभवतः इतिहास में भी पहले कभी नहीं रहा है। दरअसल आज हम हर समस्या का समाधान स्मार्टफोन और इंटरनेट को मानने लगे हैं। बच्चा रो रहा है या किसी बात के लिए जिद कर रहा है या चिड़चिड़ा हो रहा है तो माताएं या परिवार के कोई भी सदस्य बच्चें को चुप कराने या मनबहलाव और खास यह कि बच्चे को व्यस्त रखने के लिए मोबाइल संभला देते हैं। जबकि मोबाइल के दुष्प्रभाव हमारे सामने आने लगे हैं। अमेरिका में पिछले दिनों हुए एक सर्वे में सामने आया कि मोबाइल फोन, टेबलेट, वीडियो गेम या अन्य इस तरह के साधन के उपयोग से बच्चे गुस्सैल होते जा रहे हैं। बच्चों द्वारा स्कूल में गोलीबारी सहित एक दूसरे से मारामारी-हाथापाई व इस तरह की घटनाएं आम होती जा रही है। मारधाड़, हमेशा गुस्से में रहने, तनाव में रहने और जिद्दी होना आज आम होता जा रहा है।

दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में हुए एक अध्ययन में भी साफ हो गया है कि शहरी बच्चें, गेमिंग, सोशल मीडिया और ओटीटी प्लेटफार्म के आदी होते जा रहे हैं। इसका परिणाम यह होता जा रहा है कि बालक मन संवेदनहीन होता जा रहा है। हमेशा तनाव, डिप्रेशन, आक्रामकता, गुस्सैल, बदले की भावना आदि आम है। ऐसे में मनोविज्ञानियों के सामने नई चुनौती आ जाती है। यह असर कमोबेस लड़कों और लडकियों दोनों में ही समान रुप से देखा जा रहा है। यह कोई हमारे देश की समस्या हो, ऐसा भी नहीं हैं अपितु दुनिया के लगभग सभी देशों में यही हो रहा है। अमेरिका में किये गये एक अध्ययन में भी यही उभर कर आया है। कोई दो राय नहीं कि विकास समाज की आवश्यकता है। स्मार्टफोन व इंटरनेट की दुनिया का अपना महत्व है। पर इनके दुष्प्रभाव भी सामने आने लगे हैं। प्लेटफार्मों पर चाइल्ड लोक की बात भी की जाती है पर चाइल्ड लोक कितना कारगर है यह हम सब अच्छी तरह से जान और समझ सकते हैं। मजे की बात तो यह है कि मोबाइल फोन, टेब, कम्प्यूटर, सोशल मीडिया प्लेटफार्म आदि के फीचर्स व उपयोग का तरीका बड़ों से ज्यादा बच्चों को आता है। यहां तक कि प्ले ग्रुप के बच्चें को भी यह जानकारियां होने लगी है। ऐसे में इन पर परोसी जाने वाली सामग्री को सेंसर करने या इससे बच्चों और बालपन को दूर रखने की बात बेमानी होती जा रही है। समाज विज्ञानियों, मनोविश्लेषकों, चिकित्सकों यहां तक शिक्षाविदों के सामने यह गंभीर चिंतनीय चुनौती सामने आ रही है।

आज बच्चे के सामने दो विकल्प एक मोबाइल फोन या सोशल मीडिया पर सफरिंग और दूसरा परिवार के साथ गप्पे लड़ाना या आउटडोर गेम्स जैसा विकल्प होगा तो बच्चे की पहली पसंद मोबाइल फोन व सोशल मीडिया पर सफरिंग ही होती जा रही है। यह कोई अतिशयोक्ति नहीं है और दूसरा यह कि गरीब हो या अमीर सभी घर परिवारों के हालात लगभग यही है। दरअसल आज समय के बदलाव को इस तरह से समझा जा सकता है कि तीन से चार दशक पहले मोहल्ले में एक फोन होता था, ट्रंक काल में तो घंटों प्रतीक्षा करनी पड़ती थी वहीं फिर एसटीडी का युग आया और एसटीड़ी बूथों का अंबार लग गया उसके बाद पेजर युग को अलग कर भी दिया जाये तो मोबाइल युग ने घर-घर ही नहीं अपितु परिवार के लगभग सभी सदस्यों तक पहुंच बना ली है। ऐसे में इसके लाभ के साथ ही साइड इफेक्ट जो हमारे सामने आ रहे हैं उनका समाधान खोजना भी सबका दायित्व हो जाता है। बच्चें को चुप कराने से लेकर उसे व्यस्त रखने तक के लिए मोबाइल की घुट्टी पिलाई जाने लगी है और लोरी की जगह मोबाइल ने ले ली है तो फिर हमें बालमन पर इसके पड़ रहे दुष्प्रभाव से दो चार होने के लिए तैयार रहना होगा। देखा जाए तो पूरा सामाजिक ताना बाना ही बदल गया है। एकल परिवार, आने वाले समय में चाचा-चाची, मौसा मौसी या इसी तरह के रिश्तों की तलाश आदि सामने आने लगी है। शादी विवाह आदि पारिवारिक फंक्शन तक अब औपचारिक होते जा रहे हैं। बारात के समय पहुंचना, खाना खाना, लिफाफा थमाना तक रिश्ते सीमित हो गए हैं। ऐसे में समाज के सामने गंभीर समस्याएं आती जा रही है। ऐसे में मोबाइल या सोशल मीडिया प्लेटफार्म आने वाली पीढ़ी को कहां ले जाएंगे यह भयावह तस्वीर कल्पना में नहीं अपितु हमारे सामने आती जा रही है। समय रहते विकास और विनाश के बीच कोई रास्ता तलाशना ही होगा।

-डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा-

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

विघटनकारी नहीं संगठन कारी है भाजपा का एजेंडा

चुनाव में एजेंडा हर कोई अपने अनुसार सेट कर रहा है जब और दलों द्वारा इससे भी खतरनाक एजेंडा हो तो किसी एक पार्टी पर ऊँगली नहीं उठाया जाना चाहिए व्यापक अर्थ में साम्प्रदायिकता का अर्थ है अपने समुदाय के प्रति गहरा लगाव। सांप्रदायिकता एक विचारधारा है, जो समुदाय को एकजुट करने के लिए,

संजय गोस्वामी, मुंबई

समुदाय के भीतर के विवादो को दबाती है और अन्य समुदायों के खिलाफ उस समुदाय की आवश्यक एकता पर जोर देती है। इस तरह, यह रूढ़िवादी सिद्धांतों, असहिष्णुता और अन्य धर्मों दोनों ही शांतिपूर्वक सह-अस्तित्व में विश्वास रखते थे।भारत में सांप्रदायिकता के वर्तमान स्वरूप की जड़ें अंग्रेजों के आगमन के साथ ही भारतीय समाज में स्थापित हुई। यह उपनिवेशवाद का प्रभाव तथा इसके खिलाफ उत्पन्न संघर्ष की आवश्यकता का प्रतिफल थीं। यह एक विचारधारा है जिस पर सांप्रदायिक राजनीति आधारित है और साम्प्रदायिक हिंसा साम्प्रदायिक विचारधारा का ही अनुमानित परिणाम हैं।सांप्रदायिकता अनिवार्य रूप से हिंसा की ओर ले जाती है क्योंकि यह पारस्परिक धार्मिक घृणा पर आधारित है।यह घटना एक सांप्रदायिक संगठन और एक धार्मिक संगठन के बीच अंतर की ओर ले जाती है। जब सभी दल उसी विचाधारा पर चल रहें हैं तो किसी पर सांप्रदायिक होने का

से घृणा को बढ़ावा देती है और इस प्रकार, समाज और देश को विभाजित करती है।सांप्रदायिकता, भारतीय संदर्भ में, किन्ही दो बिलकुल भिन्न समूहों के बीच धार्मिक मतभेदों की घटना के रूप में सबसे अधिक माना जाता है, जो अक्सर तनाव और यहां तक कि उनके बीच दंगा भी करवा देता है। सांप्रदायिकता एक धार्मिक समूह के खिलाफ रोजगार या शिक्षा जैसे मामलों में भेदभाव से ज्यादा है।भारत में, सांप्रदायिकता तब उत्पन्न होती है जब दो समुदायों के बीच सामाजिक-आर्थिक असमानता के कारण और कुछ रियायतों की मांग के लिए धर्म का उपयोग मुख्य रूप से किया जाता है। सांप्रदायिकता धर्म में राजनीतिक व्यापार के रूप में होती है। निश्चित तौर पर प्राचीन काल में समाज विभिन्न वर्गों एवं धर्मों में विभक्त था, बावजूद इसके हमें भारतीय समाज में सांप्रदायिकता के आधार पर हुई हिंसा के बारे में कोई जानकारी नहीं मिलती है।मौर्य काल में भी अशोक के शिलालेखों में धार्मिकता, सहिष्णुता के बारे में जानकारी मिलती है जिसमें उसकी धम्म नीति की चर्चा विशेष रूप से उल्लेखनीय है।मध्यकाल में अकबर द्वारा 'दीन - ए इलाही' की स्थापना भी सभी धर्मों को समान भाव से देखने से ही संबंधित थी।हालाँकि औरंगज़ेब द्वारा कुछ ऐसे कार्य किये गए जिन्हें धार्मिक दृष्टि से असहिष्णु कहा जा सकता है, जैसे-मंदिरों को तोड़ना, ज़बरन धर्मांतरण, सिख गुरु की हत्या आदि लेकिन ये सभी घटनाएँ सामान्य तौर पर घटित न होकर अपवाद स्वरूप ही थीं। हिंदू एवं मुस्लिम दोनों अपने आर्थिक हितों को साझा करते थे तथा इल्जाम नहीं लगाया जा सकता है जब भारत का पहले का इतिहास देंखने पर ऐ ज्ञात होता है कट्टरपंथी ताकतों को सह ना देना यदि भाजपा सांप्रदायिक होती तो सभी उनके पर्व का छुट्टी बन्द कर देती और हिन्दू राष्ट्र घोषित कर देती लेकिन ऐसा नहीं किया हाँ इतना जरूर किया आतंकवाद पर लगाम दिया और अब कहीं आतंकवादी हमले नहीं हो रहें हैं और ना ही रेल में बम ब्लास्ट, भारत को हमेशा जोड़ने की कोशिश होनी चाहिए लेकिन एक दल ऐसा भी है जो तोड़ने की कोशिश लगातार कर रहा है कुछ नहीं बहुत से ऐसे लोगों को भी हमने देखा है जब इंडिया पाकिस्तान का मैच होता तो भारत के जितने पर मायूष हो जाते भविष्य की तरफ देखें किस तरह एक वर्ग ड्रीम 2047 पर इस्लामिक देश बनाने की साजिश रच रहा है अतः हमेशा हमें भारत माँ को अपनी माँ की तरह समझना है पार्टियों को नहीं जो भी भारत माता की जय और बन्दे मातरम बोलेगा वही अपनी भारतीय होने का प्रमाण देगा.इस प्रकार की सांप्रदायिकता में एकजुटता और राजनीतिक स्वतंत्रता, आर्थिक प्रगति और गरीबी उन्मूलन के साझा देशभक्तिपूर्ण लक्ष्यों को बनाने के लिए विविध धार्मिक समुदायों के बीच बातचीत को बढ़ावा दिया जाता है। कट्टरपंथी बातचीत के किसी भी अवसर को सीमित कर दिया जाता है और एक दूसरे के लिए समूहों के अपरिवर्तनीय विरोध पर जोर दिया जाता है। अतः उस सोच को नहीं आने देना होगा ऐ तभी होगा जब सभी नागरिक भारत माता की जय बोलने को लेकर किसी प्रकार का कोई आपत्ति नहीं होगा।

मंगलसूत्रःमहिलाओं को सामाजिक सुरक्षा देने वाला वैवाहिक बंधन

» मंगल यानी शुभ और सूत्र यानी बंधन,मंगलसूत्र यानी शुभबंधन

मंगलसूत्र की यह व्याख्या संस्कृत साहित्य से आई है। ईसापूर्व चौथी सदी में संपादित संस्कृत ग्रंथ ब्रह्मांड पुराण में ललितासहस्त्र में देवियों के हजार नाम

वीरेंद्र बहादुर सिंह नोएडा उत्तरप्रदेश

दिए हैं। इसमें जो मंगलम् सूत्रम का उल्लेख है, पति वैवाहिक विधि के रूप में पत्नी के गले में एक बंधन बांधता है, यह रस्म यानी मंगलसूत्र। इस विधि को मांगल्य धारणम् भी कहा जाता है। ऐसी मान्यता है कि यह सूत्र धारण करने से शुभ होता है और बुराई दूर रहती है। संस्कृत में लिखे अनुसार, मांगल्य सूत्र से ले कर मंगल धर्मसूत्र, मांगल्य सूत्रम् जैसे तमाम नामों से मंगलसूत्र का उल्लेख होता रहा है। आदिगुरु शंकराचार्य के सौंदर्य लहरी में भी मंगलसूत्र के बारे में लिखा गया है।

उस समय मंगलसूत्र का अर्थ शायद आज जैसा नहीं था। मंगलसूत्र यानी कि एक तरह की माला। वह सोने की हो, ऐसा उल्लेख नहीं है। वह रेशम के धागे की हो या फिर अन्य किसी चीज की टिकाऊ माला हो। इतिहासकारों का एक मत यह भी है कि विवाह के समय मंगलसूत्र पहनने के बाद अन्य तमाम चीजों की तरह उसे भी संभाल कर रख दिया जाता था। यह भी कहा जाता है कि भारत में छठी सदी से राजपरिवारों और जमीदारों में विवाह होते समय कन्या को मंगलसूत्र पहनाने की परंपरा शुरू हुई थी। तमाम लोग यह भी मानते हैं कि मंगलसूत्र एक प्रकार के धार्मिक बंधन की तरह पहने जाने वाली चीज है, इसलिए महिलाएं विवाह के बाद मंगलसूत्र पहनती हैं। यह बंधन पुराना हो जाए तो इसे बदला भी जा सकता है। जनेऊ की तरह। सदियों तक मंगलसूत्र का इधर-उधर उल्लेख मिलता है और इसमें खास कुछ स्पष्टता नहीं है। शुरुआत में एक पीले धागे को हल्दी में रंग कर लाल-काली मोतियों का हार बनाया जाता था। विवाह के समय पति के परिवार की महिलाएं, खास कर मां या बहनें कन्या के गले में उस हार को पहना कर घर-परिवार में उसका स्वागत करती थीं। सदियों पहले यह मान्यता थी कि यह सूत्र पहन कर कन्या घर आएगी तो सब शुभ होगा और अमंगल का नाश होगा।सोना सहित कीमती धातु से मंगलसूत्र कब से बनने लगा, इसका कोई व्यवस्थित इतिहास नहीं है। इसलिए किस सदी से सोने-चांदी का मंगलसूत्र विवाह में कन्या को पहनाना शुरू हुआ, इसे स्पष्ट रूप से नहीं कहा जा सकता। परंतु सोने-चांदी का मंगलसूत्र भारत में बहुत बाद में शुरू हुआ है। सदियों पहले मंगलसूत्र यानी हल्दी में रंग कर पवित्र किए गए धागे में गूंथ कर तैयार की गई माला। सिंधु घाटी संस्कृति की खुदाई के दौरान शोधकर्ताओं को मंगलसूत्र की निशानी मिली है। वह मंगलसूत्र आज की तरह भले नहीं था, पर शोधकर्ताओं का मानना है कि प्राचीनकाल में भी भारत में रहने वाली इस संस्कृति की महिलाएं विवाह के बाद गले में मंगलसूत्र धारण करती रही होंगी। पर सही अर्थ में भारत में 15वीं या 16वीं सदी में मंगलसूत्र पति की लंबी आयु के लिए पहनना शुरू हुआ। पर यह गहने के स्वरूप में नहीं था। शादी के बाद महिलाएं साधारण मोतियों की माला बना कर पहनती थीं।

समय के साथ मंगलसूत्र विवाहित महिलाओं का सिंबल बन गया। पति का परिवार कन्या को विवाह के समय मंगलसूत्र देने लगा। धनी परिवार कीमती माला का मंगलसूत्र बनवाता है। कन्या की ससुराल कितनी धनी है, यह मायके वालों को मंगलसूत्र से पता चलता है। सहेलियां मंगलसूत्र से जान लेती हैं कि दुल्हन को बहुत पैसे वाला पति मिला है। भारत में वर्ण व्यवस्था थी, तब अमुक वर्ण में ही कन्या विवाह के समय मंगलसूत्र पहनती थी। तमाम जातियों में ऐसा कोई रिवाज नहीं था। शायद इसके पीछे का कारण आर्थिक भी हो सकता है। मंगलसूत्र बनाने के लिए मोती चाहिए। भारत में ऐसी समृद्धि नहीं थी कि यह सभी जाति वालों को रास आए। परिणामस्वरूप विवाह में मंगलसूत्र काफी समय तक जरूरी गहना नहीं माना जाता था।इस तरह मंगलसूत्र एक धागे से कीमती धातु का गहना बना। इसे लेकर अलग-अलग प्रदेशों में अलग-अलग डिजाइनें और मान्यताएं हैं। दक्षिण भारत में मंगलसूत्र के बीच लक्ष्मीजी के चित्र वाला मंगलसूत्र बनता है। लक्ष्मीजी समृद्धि का प्रतीक होने से कन्या जिस घर में जाती है, उस घर में समृ5द्ध ले कर जाती है, यह मान्यता होने से लक्ष्मीजी को केंद्र में रखा जाता है।

तमिल में मंगलसूत्र के बीच कुंभ की डिजाइन देखने को मिलती है। कुंभ यानी मिट्टी का घड़ा। इसे धन्य-धान्य का प्रतीक माना गया है, इसलिए कन्या को अन्नपूर्णा मान कर ससुराल वाले स्वीकार करते हैं। आंध्रप्रदेश में कन्या को 2 मंगलसूत्र मिलते हैं। एक वरपक्ष देता है तो दूसरा मायके की ओर से मिलता है। परंपरागत मंगलसूत्र सूत्र में दोनों ओर काले मोती और बीच में सोने का पैंडल होता है। अब इसमें अपार डिजाइनें उपलब्ध हैं। तमाम परिवारों में सोने से लदा भारी भरकम मंगलसूत्र दिया जाता है, जो विवाह के दिन एक तरह से वरपक्ष की धन-संपदा दिखाने के लिए होता है। एक रूटीन में तिथि-त्योहार पर पहनने के लिए हल्का यानी पतला मंगलसूत्र मिलता है। पूरा सेट एक साथ ही तैयार होता है।

इतिहासकार इस बात से सहमत हैं कि हिंदू विवाह में मंगलसूत्र का कांसेप्ट नहीं था। इसमें सोने-चांदी का मंगलसूत्र तो बहुत बाद में आया। भारत में 19वीं सदी के अंत और 20वीं सदी की शुरुआत में बंगाल और दक्षिण भारत के प्रदेशों में मंगलसूत्र हिंदू विवाहों का अभिन्न अंग माना गया। इस बंधन के बगैर विवाह अधूरा माना जाता था। यहां तक कि कुछ जातियों में तो विवाह होने के बाद महिलाओं को हमेशा मंगलसूत्र पहनना पड़ता था। मंगलसूत्र न पहनने पर इसे अशुभ माना जाता था। जिस तरह नाक में सोने-चांदी की कील पहनना सौभाग्य की निशानी है, उसी तरह मंगलसूत्र पहनना भी सौभाग्य का पर्याय बन गया।

कहा जाता है कि उत्तर भारत में मंगलसूत्र की परंपरा बहुत बाद में शुरू हुई। इन इलाकों में विवाह के बाद महिलाएं कंठी पहनती थीं। मंगलसूत्र के बजाय पैरों में पायल-बिछिया और हाथ में चूड़ियों को सौभाग्य का प्रतीक मानती थीं। भारतीय आभूषणों के इतिहास में इतिहासकारों के अनुसार विवाह के बाद दुल्हन मंगलसूत्र पहने यह आधुनिक परंपरा है। सदियों पहले मंगलसूत्र विवाह विधि में अभिन्न हिस्सा नहीं था। इंडियन ज्वेलरी द डांस आफ पिकोक में डा.ऊषा बालकृष्णन और मीरा सुशील कुमार कहती हैं कि ये आभूषण महिलाओं की आर्थिक सुरक्षा के लिए बहुत उपयोगी साबित होते थे। उस समय जब महिलाओं को संपत्ति में हिस्सा नहीं मिलता था, उस समय सोने के गहने ही उनकी संपत्ति होते थे।

अक्सर यह दलील भी दी जाती है कि फिल्मों-टीवी धारावाहिकों की वजह से मंगलसूत्र को लोकप्रियता मिली है और इसमें मार्केटिंग का कांसेप्ट मिला तो विवाह में मंगलसूत्र जरूरी बन गया। इन सभी दलीलों-उदाहरण-थियरी के बीच आज यह हकीकत माननी पड़ेगी कि हिंदू विवाह में मंगलसूत्र केंद्र में है। भारत के अलावा नेपाल, बांग्लादेश, पाकिस्तान और श्रीलंका में भी मंगलसूत्र की परंपरा है। सदियों से हिंदुस्तान के साथ ताल मिलाते हुए यहां तक पहुंचा यह पवित्र शुभ धागा अब राजनीतिज्ञों के दिमाग में चढ़ गया है। अब देखते हैं यह कितना सुरक्षित है।

विवाह मंगलसूत्र जरूरी नहीं

एक महिला का मामला मद्रास हाईकोर्ट में पहुंचा था। हाईकोर्ट ने 2009 में अपना फैसला सुनाते हुए कहा था कि हिंदू मैरिज एक्ट के अनुसार विवाह में मंगलसूत्र पहनना जरूरी नहीं है। विवाहित हैं यह दिखाने के लिए महिलाओं को मंगलसूत्र पहनना अनिवार्य नहीं है। मंगलसूत्र न पहनने वाली महिला को जबरदस्ती मंगलसूत्र नहीं पहनाया जा सकता। जस्टिस एम एम सुदेश का यह फैसला देश भर में महत्वपूर्ण माना गया था। इस मामले में मंगलसूत्र न पहनने से पति ने पत्नी को उसके अधिकार देने से मना कर दिया था। 1987 में पुजारी की हाजिरी में विवाह हुआ था। पर मंगलसूत्र नहीं पहनाया गया था, इसलिए पति ने यह विवाह स्वीकार नहीं किया था। तब यह मामला कोर्ट में पहुंचा और 21 साल की कानूनी लड़ाई के बाद मद्रास हाईकोर्ट ने हिंदू मैरिज एक्ट सेक्शन 7 के अनुसार यह ऐतिहासिक फैसला सुनाया था।

स्त्रीधन में क्या आता है...

चुनावी सभा के दौरान पीएम नरेंद्र मोदी ने स्त्रीधन का उल्लेख किया। कांग्रेस के मेनिफेस्टो में वेल्थ डिस्ट्रीब्यूशन की बात थी। प्रधानमंत्री ने इसे ले कर कहा था कि विपक्ष सत्ता में आएगा तो इसका हिसाब लेगा। इस बयान के बाद चारों ओर मंगलसूत्र और स्त्रीधन की चर्चा चल पड़ी। मंगलसूत्र तो बेशक स्त्रीधन कहा जाएगा। पर इसके अलावा गहने भी स्त्रीधन की श्रेणी में आते हैं। स्त्रीधन कानूनी टर्म है। इसमें ऐसी चीजों का समावेश होता है, जो विवाह के समय किसी भी स्त्री को मिला हो।

कन्यापक्ष या वरपक्ष की ओर से मिले गहने से ले कर जो भी गिफ्ट मिला हो, उसे स्त्रीधन माना जाता है। हिंदू मैरिज एक्ट में इसका समाधान किया गया है। अविवाहित महिलाओं को भी स्त्रीधन का अधिकार मिला है। उसे बचपन से परिवार के सदस्य की ओर से या किसी अन्य से मिला गहना, शगुन में मिली नकद रकम और कपड़े आदि हैं। विधवा हुई महिला को उसके बाद मिली चीजें या गहने स्त्रीधन माना जाता है। इस पर टैक्स नहीं लगता। महिलाओं को स्त्रीधन बेचने या दान में देने का भी अधिकार है। इसके लिए उन्हें ससुराल वालों या मायके वालों से परमीशन की जरूरत नहीं है। अगर कोई महिला अपना स्त्रीधन बेच देती है तो परिवार का कोई सदस्य उस पर कोई एक्शन नहीं ले सकता।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

जीवन

लक्ष्मी नारायण सेन
खुटेरी गरियाबंद (छत्तीसगढ़)

कुछ हस कर कह दो
कुछ रो कर बिता दो
जीवन एक कहानी है
जिंदगानी हमे बितानी है।
अभी तो रात अधूरी है
सब एक बात सुनानी है
जीवन एक नई कहानी है
आज तो तुम्हें सुनानी है।
हर रोज नई जवानी है
सब दिन बड़ी सुहानी है
हर क्षण हमें भुनानी है
फिर पल क्यों गंवानी है।
एक नई बाधाएं आनी है
हमें तो उसे सुलझानी है
एक नई मुकाम लानी है
हमें राह नई बनानी है
जीवन की घृणा मिटानी है
राग द्वेश तो बहुत पुरानी है
बिखरे रिश्ते को जोड़नी है
संबंध अमिट तो बनानी है।
प्रेम से भरा जीवन
देता हमेशा संतोष
नीत यह मान लो
न होगा कभी रोष।
सद्गुण भरा हो पूरा जीवन
करते रहो सदा तुम उपकार
सेवा सत्कार है जग मे सार
इससे बड़ा ना कोई उपकार।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

पॉश इलाका कुंडला सिटी में लगी भीषण आग, फंसे 5 लोगों को बाहर निकाला गया सुरक्षित

- संवाददाता -
अंबिकापुर,29 अप्रैल 2024 (घटती-घटना)।

शहर के कुंडला सिटी कॉलोनी में रविवार की देर रात दो मंजिला मकान में अग लग गई। आग लगने का कारण इलेक्ट्रिक स्कूटी की बैटरी चार्जिंग के दौरान ब्लास्ट होना बताया जा रहा है। पहले मंजिल पर निवास कर रहे परिवार के 5 सदस्य फंस गए। जिसे फायर ब्रिगेड व पुलिस की टीम काफी मशक्कत के बाद सभी को सुरक्षित बाहर निकला। आगजनी से परिवार को 50 लाख से ज्यादा का नुकसान हुआ है।

जानकारी के अनुसार आशीष अग्रवाल शहर के कुंडला सिटी का रहने वाला है। वह अपने व भाई के परिवार के साथ कॉलोनी के सीब्ल्यू 15 ब्लॉक में निवासरत है। घर में ही श्याम मोबाइल नाम से नुकान संचालित है। वह पार्किंग में अपनी इलेक्ट्रिक स्कूटी को खड़ा किया था और चार्जिंग में लगाया था। रात करीब 1 बजे चार्जिंग में लगे इलेक्ट्रिक स्कूटी का बैटरी जोरदार धमाके के साथ ब्लास्ट हो गया। जिससे आग पार्किंग में रखी बाइक

और दुकान के सामानों के बड़े-बड़े कॉर्टून में फैल गई। देखते ही देखते आग ग्राउंड फ्लोर से पहली मंजिल तक पहुंच गई। आग की तेज लपटें उठते देख मोहल्ले के लोग मौके पर पहुंच गए। और घटना की जानकारी फायर ब्रिगेड टीम और कोतवाली पुलिस को दी। सूचना पर एएसवी अमोलक सिंह ढिल्लो व कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। फायर ब्रिगेट की टीम को पहुंचते तक आग विकराल रूप ले लिया था। कोतवाली पुलिस व फायर ब्रिगेड की टीम ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया और पहले मंजील पर फंसे दोनों भाई के परिवार के सदस्यों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। घटना के समय 3 बच्चों सहित परिवार के 5 सदस्य मकान में फंसे हुए थे। अन्दर जाने के रास्ते व सीढ़ी के पास भी आग भयावह रूप से धधक रहा था। इस लिए बचाव के लिए अंदर पहुंचपाना काफी मुश्किल भरा था। इस दौरान टीम ने सुझबुझ का पिरचय देते हुए मकान के पीछे से चढक़र प्रथम तल का खिडक़ी ग्रिल तोडक़र अग्निशमन वाहन की सहायता से 3 बच्चों सहित कुल 5 सदस्यों को सफलता पूर्वक रेस्क्यू कर जान बचाई गई।

आगजनी में 50 लाख से ज्यादा का नुकसान

आग बुझाने में फायर ब्रिगेड टीम को काफी मशक्कत करनी पड़ी। अग बुझाने में करीब ढाई घंटे से भी अधिक समय लगा। आगजनी में दोनों में मंजिलों में रखा सामान पूरी तरह से जल गया है और कुछ भी सुरक्षित नहीं बचा। आग बुझाने का कार्य सुबह 4 बजे तक चलता रहा। आशीष अग्रवाल अपने भाई के साथ मोबाइल और एसेसरीज का होल सेल का कारोबार करते हैं। दुकान के दोनों मंजिलों में मोबाइल और एसेसरीज के सामान भरे पड़े थे। आगजनी से लगभग 50 लाख से ज्यादा का नुकसान होना बताया जा रहा है।

खाना नहीं देने पर शराबी पति ने पत्नी को उतार दिया मौत के घाट,आरोपी गिरफ्तार

- संवाददाता -
उदयपुर,29 अप्रैल 2024 (घटती-घटना)।

उदयपुर थाना क्षेत्र के ग्राम निम्हा के दमऊकुंड मोहल्ले में शनिवार की शाम लगभग 4 बजे शराबी पति ने खाना मांगने पर नहीं दिए जाने से नाराज होकर पत्नी को मौत के घाट उतार दिया। मामले में पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार ग्राम दमऊकुंड निवासी किशुन राम शराब पीने का आदी है। शनिवार की शाम लगभग 4 बजे वह कहीं से शराब पीकर घर आया और पत्नी गीता को खाना देने को कहा। इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद होने लगा। यह देखकर उनके दो बच्चे अपने दादा-दादी के पास सोने चले गए। सुबह जब आकर दोनों बच्चे देखे और उठाए तो मां नहीं उठी। तब वापस बस्ती में घटना की जानकारी बड़े पापा सत्यनारायण को दिए, फिर वह मौके पर आकर देखा तो गीता मृत हालत में घर पर पड़ी हुई थी। मृतका गीता के सिर के पिछले हिस्से, कान के पास और गाल में चोट के निशान थे। फिर इसकी सूचना उदयपुर पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी पति किशुन राम को पकडक़र पूछताछ की तो उसने बताया कि खाना नहीं देने की बात पर उसने पत्नी की पिटाई कर दी, इसके बाद सोने चला गया था। पुलिस ने घटनास्थल की जांच के बाद शव का पीएम कराकर परिजन को सौंप दिया। वहीं धारा 302 के तहत अपराध दर्ज कर आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है। कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक कुमारी चंद्राकर, सहायक उप निरीक्षक विजय गुप्ता ,आरक्षक देवेंद्र व सुरेंद्र बारी सक्रिय रहे।

कबाड़ दुकानों में पुलिस का छापा,200 किलो लोहा व 17 नग बैटरी जब्त

- संवाददाता -
अंबिकापुर,29 अप्रैल 2024 (घटती-घटना)।

सरगुजा पुलिस ने शहर में संचालित अवैध कबाड़ दुकानों में छापामार कर 200 किलो लोहे का काबाड़, 17 नग बैटरी कुल कीमत 35 हजार रुपए जब्त किया है।

शहर में अवैध रूप से संचालित काबाड़ दुकानों में अनैतिक गतिविधियों की जानकारी कोतवाली पुलिस को मिल रही थी। सोमवार को राजपत्रित

पुलिस अधिकारियों के नेतृत्व में कोतवाली पुलिस ने शहर के बंगाली चौक रिंग रोड में संचालित संतोष जायसवाल कबाड़ दुकान, दरिमा रोड कंठी निवासी फिरोज इदरीशी, नमनाकला स्थित अनिल गुप्ता, बंगाली चौक स्थित संतोष जायसवाल एवं नमनाकला स्थित कबाड़ दुकान संचालक अनिल गुप्ता के कबाड़ दुकानों में छापेमारी की गई। छापेमार के दौरान कई कबाड़ अवैध पाए गए। इन संचालकों द्वारा कबाड़ के सम्बन्ध में आवश्यक वैधानिक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जाने पर पुलिस ने कार्रवाई की है। वैधानिक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करने पर धारा 102 सीआरपीसी के तहत 200 किलो लोहे का कबाड़ एवं 17 नग बैटरी जिसकी कीमत 35 हजार रुपए बताई जा रही है। संचालकों पर पुलिस ने अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की है।

चाइल्ड पोर्नोग्राफी के मामले में एक युवक गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,29 अप्रैल 2024 (घटती-घटना)।

कोतवाली पुलिस ने चाइल्ड पोर्नोग्राफी के मामले में एक युवक को गिरफ्तार किया है। उसने महिला और बच्चों की अश्लील फोटो-वीडियो अपने मोबाइल से सोशल मीडिया पर वायरल किया था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

जानकारी के अनुसार अभिषेक गुप्ता सदर रोड का रहने वाला है। वह कुछ दिन पूर्व अपने मोबाइल के माध्यम से महिला व बच्चों कह अश्लील फोटो-वीडियो सोशल मीडिया पर अपलोड किया था। दिल्ली एनसीआरबी की टीम ने केातवाली पुलिस को इसकी सूचना दी थी। कोतवाली पुलिस ने मामले में आईपी एड्रेस के आधार पर आरोपी अभिषेक गुप्ता निवासी सदर रोड के

खिलाफ अपराध दर्ज किया था। मामले में पुलिस ने आरोपी युवक अभिषेक गुप्ता (28) निवासी सदर रोड अंबिकापुर को पकडक़र पूछताछ की। तो आरोपी ने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया। आरोपी के कब्जे से घटना में इस्तेमाल मोबाइल और सिम जब्त कर लिया गया है। आरोपी के खिलाफ कोतवाली थाने में धारा 67 (बी) आईटी एक्ट और पॉक्सो एक्ट की धारा 14 (1) के तहत केस दर्ज किया कया है। आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से जेल भेज दिया गया है।चाइल्ड पोर्नोग्राफी के मामले में दो दिन पहले पुलिस ने 8 आरोपियों पर कार्रवाई की थी। इसमें अंबिकापुर कोतवाली, गांधीनगर, मणिपुर सहित जिले के अन्य इलाकों के आरोपी शामिल है। सरगुजा पुलिस एनसीआरबी की सूचना पर तत्काल कार्रवाई कर रही है। कार्रवाई में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक मनीष सिंह परिहार, प्रधान आरक्षक छत्रपाल सिंह, आरक्षक उपेंद्र सिंह, शिव राजवाड़े, शामिल रहे।

महालक्ष्मी फार्म और गारंटी कार्ड को लेकर मतदाताओं में भारी उत्साह

- संवाददाता -
अंबिकापुर,29 अप्रैल 2024 (घटती-घटना)।

सरगुजा लोकसभा क्षेत्र में कांग्रेस की प्रत्याशी शशी सिंह के पक्ष में प्रचार प्रसार और संगठनात्मक गतिविधियों को और विस्तार देने के लिये सोमवार को जिला पंचायत उपाध्यक्ष आदित्येश्वर शरण सिंहदेव ने बलरामपुर जिले के सामरी और रामानुजगंज विधानसभा क्षेत्र का सघन दौरा किया। दौरे की शुरुआत राजपुर में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की बैठक से हुई। इस दौरान राजपुर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के सभी जोन, सेक्टर एवं बूथ प्रभारी मौजूद थे।

उनसे प्रचार प्रसार विशेष तौर पर कांग्रेस की गारंटी कार्ड और महालक्ष्मी योजना के फार्म वितरण के स्थिति की जानकारी प्राप्त की गई। इसके उपरांत शंकरगढ़, कुसमी, चांदो और बलरामपुर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की बैठकें क्रमवार हुई। कार्यकर्ताओं ने जानकारी दी कि महालक्ष्मी फार्म और गारंटी कार्ड को लेकर मतदाताओं में भारी उत्साह है। हजारो की संख्या में इन फार्मों का वितरण होने की जानकारी मिली है। आज के दौरे के दौरान आदित्येश्वर शरण सिंहदेव ने राजपुर, शंकरगण, कुसमी चांदो और बलरामपुर के कई गांवों में जनसंवाद भी किया। इस दौरान कई महिलाओं ने उनके माध्यम से महालक्ष्मी योजना का फार्म भी भरा। इस दौरान उनके साथ पूर्व विधायक डॉ प्रीतम राम, श्रम कल्याण बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष शफी अहमद, बलरामपुर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजेन्द्र तिवारी भी साथ थे।

स्टार प्रचारक पायलट दो दिनों में आधा दर्जन चुनावी सभा को करेंगे संबोधित

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 29 अप्रैल 2024 (घटती-घटना)।

कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और छत्तीसगढ़ के प्रभारी सचिन पायलट मंगलवार को दो दिन के सरगुजा दौरे पर आ रहे हैं। स्टार प्रचारक पायलट दो दिनों में छोटी-बड़ी आधा दर्जन चुनावी सभा को सम्बोधित करेंगे। लोकसभा चुनाव प्रचार के अंतिम दौर में कांग्रेस ने पूरी ताकत झोंक रखी है। इसी क्रम में राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट कल दोपहर बाद अम्बिकापुर आएंगे।अम्बिकापुर में उनकी तीन नुक्कड़ सभा रखी गयी

है। महामाया मंदिर में पूजा अर्चना उपरांत पायलट शाम 5 बजे से सद्भावना चौक, 6 बजे गांधीनगर और शाम 7 बजे नया बस स्टैंड में चुनावी सभा को सम्बोधित करेंगे। रात्रि विश्राम अम्बिकापुर में होगा। अगले दिन बुधवार 1 मई को सचिन पायलट की सभा प्रतापपुर विधानसभा के भैयाथान में होगी। वे हेलीकाप्टर से 11बजे भैयाथान पहुचेंगे । दूसरी सभा लखनपुर और तीसरी सभा सूरजपुर में होगी। सूरजपुर की सभा उपरांत पायलट रायपुर के लिए रवाना होंगे।

सडक़ हादसे में घायल महिला की मौत

- संवाददाता -
अंबिकापुर,29 अप्रैल 2024 (घटती-घटना)।

सडक़ हादसे में घायल महिला की इलाज के दौरान निजी अस्पताल में मौत हो गई। मृतिका मालती सिंह 52 वर्ष, गोदरीपारा चिरमिरी की रहने वाली थी,जो अपने पति कमलेश कुमार व पुत्री के साथ विवाह समारोह में शामिल होने के लिए पटना बिहार गई थी। वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होने के बाद दंपती 25 अप्रैल को अपनी पुत्री को बिलासपुर छोडऩे के लिए जा रहे थे,जो वहीं अध्ययन करती है। इसी दौरान अंबिकापुर-बिलासपुर हाइवे में उदयपुर-तारा के पास कार का चक्का गड्ढे में गया और अनियंत्रित कार पेड़ से टकरा गई थी। दुर्घटना में तीनों को चोटें आई थी। उदयपुर स्वास्थ्य केंद्र में उपचार के बाद स्वजन घायलों को अंबिकापुर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराए थे। पुत्री की स्थिति में सुधार होने के कारण उसकी छुट्टी कर दी गई थी। मालती सिंह की उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने मृतिका के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन को सौंप दिया है।

सूरजपुर पुलिस ने बच्चों को दी गर्मी से बचाव की जानकारी

» छात्राओं को अभिव्यक्ति ऐप के उपयोगिता के बारे में कराया अवगत

- संवाददाता -
सूरजपुर,29 अप्रैल 2024 (घटती-घटना)।

उप पुलिस महानिरीक्षक/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरजपुर एम.आर.आहिरे (भा.पु.से.) के निर्देशन में जिले की पुलिस आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर सजग है और कानून व सुरक्षा व्यवस्था को बनाए रखने के साथ ही सामाजिक जिम्मेदारियों को भी बखूबी निभा रही है जिसके तहत पुलिस अधिकारियों ने मोहरसोप क्षेत्र के दुरस्थ स्थित मतदान केन्द्र लूल्ह का जायजा लेते हुए गांव के बच्चों को फल वितरण किया तो वहीं लटोरी स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में परीक्षा परिणाम लेने पहुंची स्कूली

छात्राओं को महिलाओं की सुरक्षा से जुड़े अभिव्यक्ति ऐप के बारे में जानकारी दी गई।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो के मार्गदर्शन में सोमवार को चौकी प्रभारी मोहरसोप कमलेश पाठक क्षेत्र के मतदान केन्द्रों का जायजा लेने के दौरान दुरस्थ मतदान केन्द्र लूल्ह पहुंचे जहां गांव के लोगों व बच्चों को देख उनसे चर्चा कर हालचाल जाना और बच्चों को फल वितरण कर गर्मी से बचने के बारे में जानकारी दी, गांव के लोगों से संदिग्ध व्यक्तियों के बारे में जानकारी देने कहा। इसी क्रम में चौकी प्रभारी लटोरी अरविन्द प्रसाद ने स्थानीय शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में परीक्षा परिणाम लेने पहुंची स्कूली छात्राओं को अभिव्यक्ति ऐप जो महिलाओं की सुरक्षा से जुड़ा है उसके बारे में विस्तार से जानकारी दी और जो छात्रा मोबाईल लेकर आई थी उनसे अभिव्यक्ति ऐप डाउनलोड करवाया, साइबर अपराध, नए-नए तरीके से किए जो रहे धोखाधड़ी के बारे में बताते हुए बचाव के उपाय बताए। छात्राओं को अपने सुरक्षा व अधिकारों के प्रति सजग रहने तथा यातायात नियमों का पालन करने हेतु कहा। इस दौरान स्कूल के प्राचार्य व शिक्षकगण मौजूद रहे।

चोरों ने सूने मकान का ताला तोड़कर नगदी सहित जेवरात किया पार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,29 अप्रैल 2024 (घटती-घटना)।

वैवाहिक समारोह में शामिल होने झारखंड गए फर्नीचर मिस्त्री के सूने मकान का ताला तोड़कर चोरों ने 30 हजार रुपये नगद सहित एक लाख रुपये का सोने-चांदी का जेवरात चोरी कर लिया। पुलिस ने बताया खैरबार खुदीपारा निवासी मिन्टू कुमार शर्मा पिता मल्लू शर्मा छह अप्रैल को वैवाहिक समारोह में शामिल होने झारखंड गया था। इस दौरान घर में ताला बंद था। 28 अप्रैल को अलसुबह पड़ोसी नीलू लकड़ा ने उसके घर का ताला टूटा देखा और इसकी जानकारी मोबाइल फोन से मिन्टू को दिया। घर में चोरी की संभावना पर जब वह अपरान्ह लगभग तीन बजे अंबिकापुर स्थित घर में पहुंचा तो आलमारी, पेटी का ताला तोडक़र चोर ने पूरे घर को खंगाल डाला था। नगदी रकम और जेवरात नहीं थे। रिपोर्ट पर पुलिस ने अज्ञात चोर के विरूद्ध धारा 380, 457 का मामला दर्ज कर जांच में लिया है।

स्कॉटलैंड के पहले मुस्लिम प्रथम मंत्री हमजा यूसुफ का इस्तीफा,पार्टी में हलचल...उत्तराधिकारी की तलाश तेज

स्कॉटलैंड,29 अप्रैल 2024। मार्च 2023 में स्कॉटलैंड के पहले मुस्लिम प्रथम मंत्री के रूप में पदभार संभालने वाले पाकिस्तानी मूल के हमजा यूसुफ ने स्कॉटिश नेशनल पार्टी (एसएनपी) के नेतृत्व वाली सरकार से इस्तीफा दे दिया। बता दें कि पार्टी के अंदरखाने कई दिनों से उथल-पुथल चल रही थी। 39 वर्षीय यूसुफ ने बढ़ते नीतिगत मतभेदों के बीच पिछले सप्ताह स्कॉटिश ग्रीन पार्टी (एसजीपी) के साथ गठबंधन भी समाप्त कर दिया था। इस तरह से अल्पमत वाली एसएनपी सरकार पर संकट के बादल मंडराने लगे थे।

मैं किसी के साथ सौदा नहीं कर सकता-हमजा यूसुफ

इससे पहले एसएनपी की सहयोगी एसजीपी ने विपक्षी पार्टियों के साथ मिलकर दो अविश्वास प्रस्तावों का समर्थन किया था। पहला अविश्वास प्रस्ताव यूसुफ के नेतृत्व को लेकर था जबकि दूसरा प्रस्ताव स्कॉटिश सरकार के संबंध में था। इसे लेकर हमजा यूसुफ का कहना है कि अविश्वास प्रस्ताव को लेकर उनके पास भी विकल्प मौजूद था लेकिन उन्होंने वह रास्ता नहीं चुना। हमजा ने कहा कि मैं केवल सत्ता में रहने के लिए अपने मूल्यों और सिद्धांतों का व्यापार कर किसी के साथ सौदा नहीं कर सकता। उन्होंने कहा काफी सोचने के बाद वह इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि देश के लिए सबसे अच्छा क्या है।

मुझे जो अवसर मिला, उसके लिए आभारी हूं-हमजा यूसुफ

एडिनबर्ग के ब्यूट हाउस में दिए गए अपने भाषण में यूसुफ ने कहा कि मुझे दुख है कि मंत्री के रूप में मेरा कार्यकाल समाप्त हो रहा है, लेकिन नेतृत्व का जो अवसर मुझे मिला उसके लिए मैं बहुत आभारी हूं। उन्होंने अपने भाषण में प्रधानमंत्री ऋषि सुनक, लंदन के मेयर सादिक खान का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि जब मैं छोटा था, तो मेरे जैसे दिखने वाले लोग राजनीति में प्रभावशाली पदों पर नहीं थे। अब हम ऐसे ब्रिटेन में रहते हैं जहां एक ब्रिटिश हिंदू प्रधानमंत्री और एक मुस्लिम मेयर भी हैं। यूसुफ ने कहा अब हम एक उत्तराधिकारी को कमान सौंपने की तैयारी करेंगे और मुझे पूरा यकीन है कि वह बेहतरीन काम करेंगे।

वित्त मंत्रालय नहीं तो उप-प्रधानमंत्री बनाकर की भरपाई,

नवाज के खास को शहबाज सरकार ने ऐसे किया खुश

इस्लामाबाद,29 अप्रैल 2024। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने विदेश मंत्री इशाक डार को पाकिस्तान का उप प्रधानमंत्री नियुक्त किया है। पार्टी सूत्रों की मानें तो यह पहले से ही तय था कि उन्हें उप प्रधानमंत्री बनाया जाएगा। पिछली दो सरकारों में डार के पास वित्त मंत्रालय का जिम्मा था लेकिन इस सरकार में उन्हें वित्त मंत्रालय नहीं दिया गया, जिस वजह से रविवार को उप प्रधानमंत्री बनाकर उनकी साख को बरकरार रखा गया।

नवाज शरीफ के चहेते हैं डार

बता दें, डार कश्मीरी मूल के नागरिक हैं। वे पेशे से चार्टर्ड अकाउंटेंट हैं और पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के वरिष्ठ नेता हैं। वह पार्टी प्रमुख और तीन बार प्रधानमंत्री रह चुके नवाज शरीफ के विश्वासपात्र भी माने जाते हैं। पीएमएल-एन सुप्रीमो नवाज अपने विश्वासपात्र को सरकार में एक महत्वपूर्ण पद पर रखना चाहते थे, जिससे वित्त विभाग के नुकसान की भरपाई की जा सके। नवाज शरीफ और डार की नजदीकी का कारण सिर्फ राजनीतिक ही नहीं बल्कि पारिवारिक भी है। दरअसल, डार का बड़ा बेटा शरीफ का दमाद है। डार वर्तमान में प्रधानमंत्री शहबाज के साथ विश्व आर्थिक मंच की विशेष बैठक के लिए सऊदी अरब में हैं।

गठबंधन सरकार के गठन के समय ही तय हो गई थी नियुक्ति

पार्टी के अंदरूनी सूत्र ने दावा किया है कि डार को उप प्रधानमंत्री बनाने का कदम पूर्व नियोजित था। गठबंधन सरकार के गठन के दौरान ही यह तय हो गया था कि डार उप प्रधानमंत्री बनेंगे। हालांकि, दिलचस्प ये रहा कि सत्तारूढ़ गठबंधन में शामिल पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) ने भी डार की नियुक्ति पर कोई सवाल नहीं खड़ा किया। पीपीपी के सूचना सचिव फैसल करीम कुंडी ने कहा कि उनकी पार्टी को उप प्रधानमंत्री के रूप में डार की नियुक्ति पर कोई आपत्ति नहीं है। डार को उपप्रधानमंत्री नियुक्त करना प्रधानमंत्री का विशेषाधिकार है।

पहली कोरोना वैक्सीन तैयार करने वाले वैज्ञानिक पर लगे भ्रष्टाचार के आरोप,चीन की संसद से किए गए बर्खास्त

बीजिंग,29 अप्रैल 2024। चीन के जिस वैज्ञानिक ने कोरोना महामारी के दौरान साल 2020 में COVID-19 वैक्सीन को तैयार किया था, उन पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाकर संसद से बर्खास्त कर दिया गया है। चीन के नेशनल फार्मास्युटिकल ग्रुप की सहायक कंपनी चाइना नेशनल बायोटेक ग्रुप (सीएनबीजी) के अध्यक्ष यांग श्याओमिंग पर भ्रष्टाचार और कानून के उल्लंघन के आरोप लगाए गए हैं। इस वजह से नेशनल पीपुल्स कांग्रेस (एनपीसी) से उनकी सदस्यता खत्म कर दी गई है। एनपीसी द्वारा इसे लेकर बयान जारी करते हुए कहा गया है कि यांग के खिलाफ पहले से ही पार्टी की अनुशासनात्मक समिति द्वारा जांच की जा रही थी।

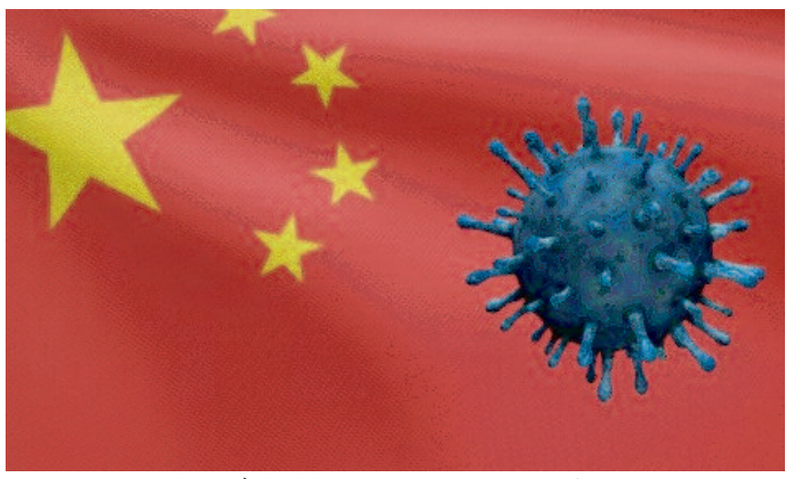

यांग ने ईजाद की थी पहली कोरोना वैक्सीन

62 वर्षीय यांग श्याओमिंग एक अनुभवी शोधकर्ता हैं, जिन्होंने उस टीम का नेतृत्व किया जिसने चीन की पहली कोरोनावायरस वैक्सीन बीबीआईबीपी-कोर्व को विकसित किया था। बाद में इस वैक्सीन के सामान्य उपयोग को मंजूरी दी गई थी। कोरोनावायरस का पहला मामला मार्च 2020 में चीन के वुहान शहर से सामने आया था और बाद में दुनिया भर में फैल गया था। इसके बाद इस बीमारी से दुनियाभर में कई लोगों की मौत हो गई थी। यांग की टीम द्वारा विकसित की गई कोविड-19 वैक्सीन को दिसंबर 2020 में सामान्य उपयोग के लिए मंजूरी दी गई थी।

इससे पहले कोरोनावायरस महामारी से लड़ने में अहम भूमिका निभाने के लिए यांग को राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। इसके बाद उन्हें हो लेउंग हो ली फाउंडेशन पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया, जो विज्ञान और चिकित्सा क्षेत्रों में चीन के वैज्ञानिकों को दिया जाता है।

चीन में चल रहा भ्रष्टाचार विरोधी अभियान

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग द्वारा बीते कुछ वर्षों से पूरे देश में भ्रष्टाचार विरोधी अभियान चलाया जा रहा है और इस बीच यांग की बर्खास्तगी चीन के हेल्थ सेक्टर पर की गई सबसे बड़ी कार्रवाई मानी जा रही है। एक रिपोर्ट के अनुसार इस कार्रवाई का उद्देश्य स्वास्थ्य के क्षेत्र में फैले भ्रष्टाचार को जड़ से खत्म करना है। कार्रवाई के दौरान बीते वर्षों में चीन के कई अस्पतालों के प्रमुखों को हिरासत में लिया गया है। इसके अलावा सिनोफार्म के एक अन्य पूर्व वरिष्ठ अधिकारी झोउ बिन को भी जांच के दायरे में रखा गया है।

सरगुजा संसदीय क्षेत्र में होम वोटिंग के आंकड़े

- संवाददाता -

अम्बिकापुर,29 अप्रैल 2024 (घटती-घटना)।

जिले की तीनों विधानसभा में होम वोटिंग कुशलता से संपन्न कराने के लिए कुल 20 टीमें बनाई गई है, प्रत्येक टीम में एक-एक पीठासीन अधिकारी तथा मतदान अधिकारी हैं।

होम वोटिंग के तहत जिले में 166 में से 164 मतदाताओं ने मतदान किया। सोमवार को हुई होम वोटिंग में लुण्ड्रा विधानसभा में 37 मतदाता रहे, जिनमें शत प्रतिशत मतदान संपन्न कराया गया है। सीतापुर विधानसभा में 36 में 35 मतदाता उपस्थित रहे, एक मतदाता अनुपस्थित रहे। क्षेत्र से बाहर चले जाने के कारण शेष एक मतदाता द्वारा मतदान नहीं होगा। इस तरह यहां भी वोटिंग पूर्ण हो गई है।

अम्बिकापुर विधानसभा में 93 मतदाताओं में से 92 द्वारा वोटिंग की गई। इनमें एक मतदाता अनुपस्थित होने के कारण कल 30 अप्रैल को दल फिर वोटिंग कराने जायेंगे। सरगुजा संसदीय क्षेत्र अंतर्गत बलरामपुर जिले में 112 मतदाता रहे। यहां शतप्रतिशत मतदान पूर्ण कर लिया गया है।

नियमों का उल्लंघन करने वालों के शस्त्र लाइसेंस आगामी आदेश तक निलंबित

- संवाददाता -

अम्बिकापुर,29 अप्रैल 2024 (घटती-घटना)।

लोकसभा निर्वाचन 2024 के तहत जिले में 16 मार्च 2024 से आदर्श आचार संहिता प्रभावशील है। आदर्श आचार संहिता प्रभावशील हो जाने के उपरान्त जिले में शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और स्वतंत्र निर्वाचन संपन्न कराने के लिए निरंतर भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार कार्यवाही की जा रही है। इसी कड़ी में कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री विलास भोस्कर द्वारा आदेश जारी कर शस्त्र रखने और जमा करने के नियमों का उल्लंघन करने वालों के शस्त्र लाइसेंस निलंबित कर दिए गए हैं।

पुलिस अधीक्षक सरगुजा द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन के अनुसार आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद शस्त्रधारियों को आयुध अधिनियम 1959 की धारा 21 के तहत अपने आग्नेय शस्त्र सीमित समय के लिए नजदीकी थाने में जमा करने होते हैं। एमजी रोड रावत रेसीडेंसी निवासी श्रीमती अंजुम फिरदौसी तथा बौरीपारा निवासी ए एस ए टीरू द्वारा इस नियम का उल्लंघन कर निर्धारित समय में शस्त्र नजदीकी थाने में जमा नहीं कराया गया है जिसपर पुलिस अधीक्षक द्वारा उनके शस्त्र लाइसेंस को नवीनीकरण नहीं किए जाने की अनुशंसा की गई।

शस्त्र अनुज्ञप्ति की शर्तों का उल्लंघन करने पर आयुध अधिनियम 1959 की धारा 17 उपधारा (3) में उल्लेखित प्रावधानों के तहत तत्काल प्रभाव से श्रीमती अंजुम फिरदौसी तथा ए एस ए टीरू लाइसेंस आगामी आदेश पर्यंत निलंबित किया गया है।

92 वर्षीय महिला सहित बुजुर्ग मतदाताओं ने घर में किया मतदान

- संवाददाता -

लखनपुर,29 अप्रैल 2024 (घटती-घटना)।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी विलास भोस्कर के मार्गदर्शन में जिले में 29 एवं 30 अप्रैल 2024 को 85 वर्ष से अधिक आयु वर्ग तथा दिव्यांग मतदाता अपने घर में ही डाक मतपत्र के माध्यम से मतदान करेंगे। मतदान के निर्धारित तिथि को प्रातः 07 बजे से शाम 06 बजे तक मतदान कराया जायेगा। जिले में होम वोटिंग सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए 21 दल गठित किए गए हैं। वहीं सोमवार को सुबह कलेक्टर विलास पुष्कर के द्वारा मतदान दलों को हरी झंडी दिखाकर होम वोटिंग के लिए रवाना किया गया। इसी कड़ी में सरगुजा लोकसभा चुनाव में लखनपुर क्षेत्र में 29 अप्रैल दीन सोमवार को 85 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गो ने घरों में मतदान किया। लखनपुर से सोनिया साहू 92 वर्ष, सहोद्री रजक 87वर्ष, सोमारिया साहू 85वर्ष, शांति वर्मा 89 वर्ष, सोमारिया चौधरी89 वर्ष को मतदान दल के द्वारा हम वोटिंग की सुविधा उपलब्ध कराई गई जहां बुजुर्ग मतदाताओं के द्वारा अपने सहयोगियों की मदद से वोट देकर लोकतंत्र के महापर्व में हिस्सा लिया। इस दौरान मतदान दलों के साथ पटवारी सुनैना सिंह, बीएलओ प्रभा दास, सुशील गुप्ता सक्रिय रहे।

बुजुर्ग और दिव्यांग मतदाताओं को मतदान करने की खुशी,मतदान दल पहुंचे घर-घर

- पैदल चलकर मतदान दल पहुंचा मतदान कराने, लोकतंत्र के पर्व में बखूबी निभाई अपनी जिम्मेदारी
- बीमारी के कारण शायद मतदान से रह जाते वंचित, पर होम वोटिंग की सुविधा ने दूर की दुविधा
- कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी भोस्कर ने स्वयं किया होम वोटिंग कार्य का निरीक्षण

- संवाददाता -

अम्बिकापुर,29 अप्रैल 2024 (घटती-घटना)।

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा होम वोटिंग की सुविधा की अभिनव पहल के तहत सोमवार को जिले के तीनों विधानसभा के 85 वर्ष से अधिक की आयु के बुजुर्ग मतदाता तथा दिव्यांग मतदाताओं ने बड़ी ही सरलता और सहजता से घर से ही मतदान कर मजबूत लोकतंत्र के निर्माण में अपना योगदान दिया।

होम वोटिंग कराने हेतु कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री विलास भोसकर ने हरी झंडी दिखाकर सोमवार की सुबह मतदान दल को रवाना किया। होम वोटिंग की शुरुआत में विधानसभा क्षेत्र अंबिकापुर में 30 वर्षीय दिव्यांग अमर ठाकुर, सीतापुर में 90 वर्षीय बनसो टोप्पो और लुण्ड्रा में 72 वर्षीय दिव्यांग शंकर लाल ने पहला मतदान किया। श्री भोस्कर होम वोटिंग के कार्य का स्वयं भी निरीक्षण करते हुए 87 वर्षीय बुजुर्ग मतदाता धरमदेव मिश्रा के घर पहुंचे। जहां मतदान दल द्वारा बुजुर्ग मतदाता को मतदान कराया गया।

शतायु पार मतदाताओं ने दिखाई सक्रियता,किया मतदान

होम वोटिंग के दौरान सर्वाधिक कोसंगा निवासी 101 वर्षीय बुजुर्ग चंद्रमती ने निर्वाचन आयोग द्वारा दी जा रही होम वोटिंग की सुविधा और मतदान दल की मेहनत को सराहा। उन्होंने कहा कि घर घर में वोटिंग की व्यवस्था की गई है, जो हमें काफी अच्छी लगी। इसी तरह 100 वर्षीय बुजुर्ग मतदाता सुकुल एक्का ने भी अपना अमूल्य मतदान किया।

इसी तरह 90 वर्षीय सहदेई देवी गिरी, 89 वर्षीय बृजभान सिंह, 87 वर्षीय गुलाब देवी, 97 वर्षीय बुजुर्ग परवतिया यादव, 85 वर्षीय बुजुर्ग महिला मतदाता गेदी राउत जैसे कई वयोवृद्ध मतदाताओं ने लोकसभा आम निर्वाचन 2024 में होम वोटिंग के द्वारा मताधिकार का प्रयोग की सुविधा पाकर खुशी खुशी वोट किया।

दिव्यांग मतदाताओं ने होम वोटिंग की सुविधा को बताया सबसे बेहतर

दिव्यांग पंकज गुप्ता जिनकी उम्र 49 वर्ष है, होम वोटिंग की सुविधा हेतु भारत निर्वाचन आयोग, मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय एवं जिला निर्वाचन अधिकारी को धन्यवाद करते हैं। उन्होंने कहा कि ये सुविधा ना होने पर उन्हें मतदान करने में काफी दिक्कत होती, शायद वे मतदान केंद्र जाकर मतदान नहीं कर पाते, पर इस सुविधा से मतदान केंद्र उनके घर आया है। उन्होंने सभी मतदाताओं से मतदान अवश्य करने की अपील की। 42 वर्षीय दिव्यांग आलोक एक्का ने भी होम वोटिंग की सुविधा के तहत मतदान किया और निर्वाचन आयोग को इस सुविधा के लिए धन्यवाद दिया।

बीमारी के कारण शायद मतदान से रह जाते वंचित, पर होम वोटिंग की सुविधा ने दूर की दुविधा

86 वर्षीय पीएम ओमेन, दर्रीपारा, बीमारी के कारण मतदान केंद्र जाकर वोट देने से शायद वंचित रह जाते, पर निर्वाचन आयोग की होम वोटिंग की सुविधा ने उनकी इस समस्या को दूर किया। सोमवार को मतदान दल उनके घर पहुंचा और उन्होंने अपने सहयोगी को मदद से वोट देकर लोकतंत्र के महापर्व में हिस्सा लिया।

मतदाता घासीदास मझवार के घर पैदल चलकर पहुंचा मतदान दल

पेंडरखी के 88 वर्षीय बुजुर्ग मतदाता घासीदास मझवार के घर पैदल चलकर मतदान दल पहुंचा। लगभग 1 किमी चलकर मतदान दल ने मतदान कराया। निर्वाचन आयोग द्वारा दी जा रही होम वोटिंग की सुविधा और मतदान दल की मेहनत को बुजुर्ग मतदाता ने सराहा। आने-जाने में करीबन 2 किमी चलकर लोकतंत्र के पर्व में मतदान दल ने अपना कर्तव्य निभाया।

प्रतापपुर में श्री श्याम भजन संध्या का आयोजन में बाहर से आए हुए कलाकार देंगे मनमोहक प्रस्तुति

- संवाददाता -

प्रतापपुर,29 अप्रैल 2024 (घटती-घटना)।

ज्ञात हो कि श्याम प्रभु के भजनों की अमृत वर्षा की प्रस्तुति देंगे भारतवर्ष के विख्यात भजन गायक, आयोजन करता लखदातार परिवार द्वारा किया जा रहा है। आयोजन से जुड़े अंकुर सिंघल ,अभिषेक गर्ग, अंकित ,सुमित गुप्ता, अमन, शुभम मित्तल ने जानकारी देते हुए बताया कि भक्तजनों की अनुपम प्रस्तुति सोनभद्र के संजीव शर्मा कोलकाता का अभिषेक शर्मा माधव और फतेहाबाद हरियाणा की मीणा मेहता द्वारा की जाएगी तीनों ही श्री श्याम भजनों के बड़े गायक हैं और भक्त उनके भजनों में झूमने पर मजबूर हो जाते हैं। वही शक्ति के अभिषेक कथूरिया द्वारा बाबा का सिंगार किया जाएगा उन्होंने बताया कि आयोजन स्थानीय धर्मशाला स्कूल ग्राउंड में संपन्न होगी, जिसकी तैयारी बृहद रूप से की जा रही है जिसमें हजारों की संख्या में भजन कार्यक्रम में लोग उपस्थित होंगे।

काँग्रेस के खिलाफ मंत्री रामविचार नेताम ने किया एफआईआर

- संवाददाता -

सूरजपुर,29 अप्रैल 2024 (घटती-घटना)। कांग्रेस पार्टी द्वारा केन्द्रीय गृहमंत्री मंत्री अमित साह जी का फर्जी विडियो प्रसारित कर अफवाह फैलाने एवं समाज में विद्वेश फैलाकर वोट प्राप्त करने के उद्देश्य से अपमान कारक वीडियो का प्रसारण सोशल मीडिया पर करने के संबंध में अपराध दर्ज करने हेतु आज कृषि मंत्री राम विचार नेताम ने कोतवाली थाना अंबिकापुर में आवेदन प्रस्तुत किया। अपने आवेदन पत्र में उन्होंने तेलगांना प्रदेश के कांग्रेस पार्टी के सदस्य व पदाधिकारी तथा नेशनल काग्रेस पार्टी के शरदचंद्रजी पवार को आरोपी बनाते हुए ये कहा है कि इनके द्वारा आधिकारिक रूप से सोशल मीडिया पर फर्जी / कट-पेस्ट वीडियो वायरल किया गया है।

आवेदक मंत्री राम विचार नेताम की ओर से प्रस्तुत आवेदन पत्र में बताया गया है कि विगत दिनों तेलंगाना प्रवास के दौरान गृह मंत्री अमित साह चुनाव प्रचार में गये हुए थे उनका वास्तविक वीडियो जो भाषण दिया गया है उक्त भाषण एन0डी0 टीवी पर उपलब्ध है जिसे तेलंगाना कांग्रेस विंग द्वारा अपने अधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ÷×÷ के माध्यम से केन्द्रीय गृह मंत्री अमित साह का एक कूटरचित वीडियो प्रसारित किया गया है, जिससे उनके मूल भाषण में कूटरचना कर यह दर्शाया गया है कि उनके द्वारा कहा जा रहा है कि यदि उनकी सरकार बनी तो वह आरक्षण को समाप्त कर देंगे। जिस वीडियो में छेड़-छाड़ की गई है उसका मूल रूप भी उपलब्ध है, जिसमें गृहमंत्री जी वास्तव में कह रहे हैं कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी तो हम गैर संवैधानिक मुस्लिम रिजर्वेशन को समाप्त कर देगें, यह अधिकार तेलगांना के एस.सी., एस.टी. ओ.बी.सी का है, वो अधिकार उनको मिलेगा और मुस्लिम रिजर्वेशन को हम समाप्त कर देगें। उल्लेखनीय है, कि धर्म के आधार पर संविधान में आरक्षण की कोई व्यवस्था नही है तथा केन्द्रीय गृह मंत्री जी का यह भाषण इसी परिप्रेक्ष्य में था, किन्तु तेलगांना काग्रेस के द्वारा गृह मंत्री के वास्तविक बयान में कुटरचना कर उपरोक्त बयान के वास्तविक वक्तव्य को ही बदल दिया गया तथा कुटरचना कर गृह मंत्री जी के वक्तव्य में आरक्षण के विषय में गलत बातें जोड दी गई है।

उन्होंने अपने आवेदन में यह भी कहा है कि तेलगांना काग्रेस द्वारा सर्व प्रथम अपने आधिकारिक सोशल मिडिया प्लेट फार्म × से इस विडियो को प्रसारित किया गया तथा जब यह कुटरचित विडियों वायरल हो गया, तो इसे डिलिट कर दिया गया, इसके बाद अनेकों काग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा षडयंत्र के तहत इस विडियों को वायरल किया गया एवं देश के एस.सी., एस.टी तथा ओ.बी.सी समाज में व्यापक रूप से आरक्षण जैसे संवेदनशील विषय के सन्दर्भ में भारतीय जनता पार्टी तथा केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के विरूद्ध में भ्रम एवं अफवाह फैलाई गई यह तो स्पष्ट है, कि काग्रेस पार्टी के द्वारा एस.सी., एस.टी., ओ.बी.सी सामाज के आरक्षण जैसे संवेदनशील विषय में भ्रम फैलाकर वोट लेने के उद्देश्य से प्रसारित किया गया है किन्तु काग्रेस पार्टी के द्वारा यह जानते हुए कि इस प्रकार के भ्रामक एवं संवेदनशील विडियों के प्रसारण से एस.सी. एस.टी. ओ.बी.सी सामाज में असुरक्षा की भावना उत्पन्न हो सकती है तथा समाज में विभिन्न वर्गों में टकराव की स्थिति उत्पन्न करने के उद्देश्य से चुनाव आचार संहिता लागू होने के बावजूद और राष्ट्रीय राजनैतिक दल के नैतिक आचरण के विपरीत देश की एकता व अखण्डता के विरूद्ध अराजकता फैलाने के उद्देश्य से कुटरचित विडियों प्रसारित किया गया है। उक्त कुटरचित विडियों काग्रेस पार्टी के पदाधिकारी एवं उनके समर्थकों द्वारा फेसबुक, वाटसप, इस्ट्राग्राम, व अन्य सोशल मिडिया प्लेट फार्म पर वायरल कर चुके है तथा इससे संबंधित खबर प्रिन्ट मिडिया, इलेक्ट्रानिक मिडिया तथा वेब पोर्टलों के माध्यम से प्रसारित कर रहे है, जो तेलगांना राज्य सरकार के संरक्षण में पुरे देश में फैलाया जा रहा है । अंबिकापुर कोतवाली टी आई को एफआईआर हेतु दिए आवेदन पत्र में उन्होंने यह मांग की है कि उपरोक्त तथ्यों के आधार पर गंभीरता से संज्ञान लिया जाकर तेलगांना काग्रेस पार्टी के पदाधिकारी एवं उत्तरदायी नेताओं उसके अधिकारिक सोशल मिडिया प्लेटफोर्म के संचालको एवं उक्त फर्जी विडियों को प्रसारित करने वाले व उसे डिलिट करने वाले कार्यकताओं के विरूद्ध तथा अन्य दोषी व्यक्तियों के विरूद्ध धारा 153, 153-ए, 465, 469,171-सी भारतीय दण्ड संहिता एवं धारा 66 सूचना प्रोद्योगिकी अधिनियम के अन्तर्गत अपराध पंजीबद्ध करते हुए दोषी व्यक्तियों के विरुद्ध कार्यवाही की जाये।

CMYK

फजीहत के बाद रिचार्ज हुए भाजपाई, घरों तक पहुंचकर दे रहे दस्तक...

ग्रामीण से लेकर शहरी क्षेत्रों में जाकर बतला रहे केंद्र और राज्य सरकार की योजनाएं

विधायक भैयालाल भी निकले जनसंपर्क में...अबकी बार 400 पार के नारे को कर रहे बुलंद...

- रवि सिंह -
कोरिया,29 अप्रैल 2024 (घटती-घटना)।

जिला भाजपा के अध्यक्ष की कार्यप्रणाली के कारण सुस्त पड़े भाजपाई अब अपने घरों से निकलकर प्रचार प्रसार में लग गए हैं,कार्यकर्ता घर घर दस्तक दे रहे हैं और अबकी बार 400 पार के नारे को बुलंद कर रहे हैं,कार्यकर्ताओं की सक्रियता का लाभ भाजपा प्रत्याशी सरोज पांडेय को मिलेंगे ऐसा अनुमान है। वहीं विधायक भैयालाल राजवाड़े भी पिछले दो दिन से जनसंपर्क कर भाजपा प्रत्याशी को जिताने का आह्वान कर रहे हैं।

संगठन की खिंचाई के बाद भाजपाइयों में दिखा उत्साह

ऐसा लग रहा है जैसे पटना में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की सभा में भीड़ नही जुटने से भाजपाइयों की आंख खुल गई है,सभा के दौरान जब भाजपा जिलाध्यक्ष की खिंचाई सार्वजनिक रूप से हुई उसका खासा असर भाजपा के भीतरखाने में ही देखने को मिल रहा है,इस घटना के बाद कई भाजपाई अब खुश नजर आ रहे हैं। भाजपा जिलाध्यक्ष की कार्यशैली के कारण परेशान नेता जो की पार्टी कार्यक्रम से दूर रह करते थे उन्होंने अब आगे बढ़कर काम करने का मन बनाया है।

उपेक्षित वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता घरों से निकले

भाजपा संगठन ने हर मंच पर अपनी वाह वाही लूटी। शर्मिंदगी की परकाष्ठा पार करते हुए खुद पीठ थपथपाने से भी कभी पीछे नहीं रहे। हर कार्यक्रम के पहले अधिकृत रूप से जारी प्रेस विज्ञप्ति में भी जिलाध्यक्ष ने स्वयं का नेतृत्व बतलाने की काफी रुचि दिखलाई। हालाकि पटना की सभा असफल होने के बाद उन्होंने निर्लज्जता पार करते हुए खुद उसकी जिम्मेदारी नहीं ली जबकि संयोगवश यदि कार्यक्रम सफल हो जाता तो खुद पीठ थपथपाने में भी जिलाध्यक्ष थोड़ा भी देर नहीं करते। अपने आदत से लाचार भाजपा जिलाध्यक्ष ने पूरे समय सिर्फ वरिष्ठ नेताओं और सक्रिय कार्यकर्ताओं को भला बुरा कहने में व्यतीत कर दिया जिसके कारण आज भाजपा प्रत्याशी को संघर्ष करना पड़ रहा है,आलम देखकर लगता है कि संगठन द्वारा सचमुच बैठको आदि के खानापूर्ति की जाती थी। जिलाध्यक्ष को कड़ी फटकार मिलने के बाद अब तक उपेक्षित वरिष्ठ भाजपाइयों ने भी प्रचार की कमान संभाल ली है,ऐसे कार्यकर्ता भी घरों से निकलकर प्रचार करते नजर आ रहे हैं।

महिला और युवा मोर्चा ने संभाली कमान

वरिष्ठ भाजपा नेताओ के चुनावी कमान संभालने के साथ ही पार्टी में महिला इकाई के पदाधिकारी भी क्षेत्र में सक्रिय नजर आ रहे हैं,महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष धर्मवती राजवाड़े के नेतृत्व में जिला पदाधिकारी और मंडल स्तर की महिला मोर्चा पदाधिकारी कार्यकर्ताओं द्वारा घर घर पहुंचकर लोगो से बात की जा रही है,खासकर महिला वर्ग से मिलकर महतारी वंदन योजना समेत महिला हितैषी योजनाओं का प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष हितेश सिंह के नेतृत्व में भी लगातार विभिन्न मंडलों में जाकर युवा चौपाल लगाया जा रहा है,युवा वर्ग को पार्टी की रीति नीति से जोड़ा जा रहा है तो वहीं एक फिर मोदी सरकार और अबकी बार 400 पार के नारे को युवा मोर्चा के कार्यकर्ता। बुलंद करते दिखलाई देने लगे हैं।

हाट बाजार में दिखे भाजपाई

पिछले दिनों घटती घटना ने खबर प्रकाशन कर भाजपा की चुनावी तैयारियों में कमी को बतलाया था,उसके बाद देखने में मिल रहा है कि अब भाजपाई जगह जगह हॉट बाजारों तक जा रहे हैं,बाजारों में नुक्कड़ सभाओं का आयोजन किया जा रहा है और लोगो को पैंपलेट और अन्य चुनावी सामग्रियों का वितरण किया जा रहा है।

विधायक भैयालाल ने शुरू किया जनसंपर्क

अब जिस प्रकार क्षेत्र में भाजपाई सक्रिय हुए हैं उसी प्रकार पूर्व मंत्री और विधायक बैकुंठपुर भैयालाल राजवाड़े भी पिछले 2 दिनों से क्षेत्र का दौरा कर रहे हैं,उनके द्वारा ग्रामीण क्षेत्र से अपने दौरे की शुरुआत की गई है। श्री राजवाड़े द्वारा भाजपा प्रत्याशी सरोज पांडेय को जिताकर केंद्र के तीसरी बार मोदी सरकार बनाने का आह्वान किया जा रहा है। भैयालाल की सक्रियता का लाभ सरोज पांडेय को मिलेगा ऐसा कार्यकर्ताओं का ही कहना है।

प्रचार प्रसार में आगे हैं भाजपा प्रत्याशी सरोज पांडेय

लोकसभा चुनाव हेतु मतदान के लिए अब लगभग 1 सप्ताह का समय शेष बच गया है,इस दौरान देखने में मिल रहा है कि अब तक भाजपा प्रत्याशी सरोज पांडेय कांग्रेस प्रत्याशी की तुलना में प्रचार प्रसार में बहुत आगे हैं,गांव गांव भाजपा प्रत्याशी का पोस्टर एवं कट आउट,भाजपा के झंडे नजर आ रहे हैं।

हर वर्ग को साधने की कोशिश

इस बार के चुनाव में देखने को मिल रहा है भाजपाई हर इस मतदाता तक पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं जो लाभार्थी की श्रेणी में है,यह भाजपा की विशेष रणनीति मानी जा रही है। यही नहीं भाजपाई इस बार हर वर्ग को साध भी रहे हैं,मतदाताओं तक जा कर मोदी सरकार की उपलब्धि का बखान उनके द्वारा किया जा रहा है।

विधानसभा की लीड बरकरार रखने की चुनौती

6 महीने पहले संपन्न हुए विधानसभा के चुनाव में बैकुंठपुर विधानसभा से भाजपा को 25 हजार से अधिक मत की लीड मिली थी, हालाकि तब तात्कालिक विधायक अंबिका सिंहदेव का व्यक्तिगत विरोध था। अब मोदी लहर के बीच हो रहे लोकसभा चुनाव में विधानसभा चुनाव में मिली लीड बरकरार रखना भी भाजपा के लिए एक चुनौती है। जिला भाजपा अध्यक्ष एवं विधायक भैयालाल राजवाड़े ने 51 हजार की लीड का भरोसा भाजपा प्रत्याशी को दिलाया है।

कोरिया जिले का असंतुलित विभाजन महंत के लिए हानिकारक

पिछले लोकसभा के चुनाव में कोरिया जिले से ज्योत्सना महंत को लगभग 45 हजार की हार मिली थी,तब प्रदेश में कांग्रेस की सरकार और कोरिया में तीनों कांग्रेसी विधायक थे। उसके बाद एमसीबी जिले का गठन हुआ और कोरिया को असंतुलित कर दिया गया। असंतुलित विभाजन को लेकर कोरिया वासियों के मन में आज भी पीड़ा है और लोग इसके लिए नेता प्रतिपक्ष डॉ.चरणदास महंत को भी जिम्मेदार मानते हैं जिला विभाजन के बाद महंत दंपत्ति एक बार फिर कोरिया वासियों से वोट की उम्मीद कर रहा है,लेकिन असंतुलित विभाजन का दर्द झेल रहे यहां के नागरिक उनका साथ देने ऐसा लगता नही है।

इस बार समीकरण भाजपा के पक्ष में बन सकता है पर जिलाध्यक्ष बने परेशानी

पिछले लोकसभा चुनाव के दौरान समीकरण भाजपा के पक्ष में नही था इसके बावजूद भाजपा प्रत्याशी ज्योतिनंद दुबे ने कोरिया जिले से बढ़त ली थी। विपक्ष में बगैर भाजपा विधायक के लीड मिलना आश्चर्यचकित था लेकिन इस बार समीकरण पूरी तरह से भाजपा के पक्ष में दिखलाई दे रहा है। पूरे लोकसभा में भाजपा के 6 विधायक हैं, प्रदेश में भाजपा की सरकार है और 2 मंत्री इसी लोकसभा के निवासी हैं। इसका लाभ भी भाजपा उम्मीदवार को मिल सकता है। पर भाजपा जिलाध्यक्ष पार्टी के लिए मुशीबत बने हुए है।

महिला मतदाताओं में दिख रहा अच्छा उत्साह

इस बार कोरबा लोकसभा में पहली बार ऐसा हो रहा है कि दोनो ही प्रमुख दलों से महिला उम्मीदवार मैदान में हैं। पिछला चुनाव जीतने के बाद सांसद ज्योत्सना महंत ने ऐसा कोई कार्य नहीं किया जो बताने लायक हो,लेकिन भाजपा राज में महिला हित में कई काम हुए हैं, महतारी वंदन योजना उनमें से एक असरकारक योजना है।भाजपा प्रत्याशी सरोज पांडेय खुद अपने चुनावी अभियान में महिलाओ से जिस प्रकार मिल रही हैं उससे महिला वर्ग खासा उत्साहित है,क्षेत्र में महिला मतदाताओं की संख्या भी अधिक है। महिला वर्ग से किस उम्मीदवार को कितना लाभ मिलेगा यह तो भविष्य के गर्त में है लेकिन इतना है कि महिलाओ के बीच के भाजपा प्रत्याशी की अच्छी पकड़ देखी जा रही है।

भाजपा जिलाध्यक्ष कोरिया और उनकी गिनती की टीम लोकसभा प्रत्याशी के लिए जिले में बन रही नुकसानदायक

कुछ अन्य भाजपा नेता भी लोकसभा प्रत्याशी की जीत से ज्यादा स्थानीय विधायक की छवि धूमिल हो इस फिराक में

- रवि सिंह -
कोरिया,29 अप्रैल 2024 (घटती-घटना)।

कोरिया जिले में भाजपा लोकसभा चुनाव में पिछड़ती नजर आ रही है और ऐसा इसलिए कहा जा रहा है क्योंकि भाजपा जिलाध्यक्ष और उनकी गिनती की टीम पूरी जिम्मेदारी चुनाव की खुद उठाना चाहती है। जिलाध्यक्ष सहित उनकी टीम से जो गिने चुने लोगों की टीम है से जिले के प्रत्येक भाजपाई नाराज चल रहे हैं और बताया जा रहा है की इसका असर लोकसभा चुनाव पर पड़ना तय है। भाजपा के ही लोगों की माने तो उनका कहना है की आजतक जिले का भाजपा नेतृत्व ऐसा कभी नहीं रहा। भाजपाइयों का कहना है की इसके पूर्व भी कई जिलाध्यक्ष जिले में नेतृत्व कर चुके हैं जिसमे वर्तमान कोरिया जिले से भी नेतृत्व का मौका कुछ लोगों को मिला था जिन्होंने बखूबी जिला संगठन को मजबूत किया और संगठन को सीमित करके नहीं रखा।

बताया जा रहा है की वर्तमान में जिलाध्यक्ष और उनके एक दो खास सिपहसलार जो केवल बड़े नेताओं के आगमन पर आगे पीछे उन्हे घेरे रखने का काम करते हैं के अलावा संगठन में किसी की पूछपरख नहीं है। बताया यह भी जा रहा है की जिलाध्यक्ष और उनकी गिनीचुनी टीम लोकसभा चुनाव में भी वही काम कर रही है जिसका खामियाजा लोकसभा प्रत्याशी को भुगतना पड़ सकता है क्योंकि कार्यविभाजन को लेकर जिलाध्यक्ष बिल्कुल तैयार नहीं हैं और न ही वह टीम भावना से ही काम करना चाहते हैं वह और उनकी दो तीन लोगों की टीम एकला चलो के रास्ते अग्रसर है। जिसका नुकसान प्रत्याशी को होना तय है। वैसे कोरबा लोकसभा में भी मोदी लहर का असर देखा जा रहा है लेकिन उस लहर को भी भाजपा जिलाध्यक्ष का नेतृत्व नहीं भुना पा रहा है जो देखने को मिल रहा है वहीं अन्य संगठन पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी निराश हैं क्योंकि उन्हे कोई जिम्मा नहीं दिया जा रहा है और पूरी जीत का सेहरा जिलाध्यक्ष और उनकी दो तीन लोगों की टीम को मिले यह उनकी मंशा है। जिले में जिलाध्यक्ष और उनकी गिनती की टीम में शामिल लोग वरिष्ठ को न सम्मान दे पा रहे हैं न बेहतर जिम्मेदारी न आम कार्यकर्ताओं को वह तवज्जो दे रहे हैं। वह किसी की राय भी स्वीकार नहीं कर रहे हैं। कुल मिलाकर वह अपनी ही मनमानी चला रहे हैं और पूरा श्रेय चुनाव का अकेले लेना चाहते हैं। वैसे भाजपा कोरिया में जिलाध्यक्ष और उनकी टीम के आलावा भी एक टीम है जो अब सामने आई है जिसका भी काम अन्य को कम असरकारी साबित कर श्रेय लेने का है।

कोरिया भाजपा कार्यालय

भाजपा कोरबा लोकसभा प्रत्याशी सरोज पाण्डेय

जिलाध्यक्ष कृष्ण बिहारी जयसवाल

लोकसभा प्रत्याशी को सभी जिम्मेदार दिग्भ्रमित ही कर रहे हैं जिस पर भी विश्वास कर पा रही हैं वह उनके विश्वास पर खरा नहीं उतर रहा...

बताया जा रहा है लोकसभा प्रत्याशी को सभी जिम्मेदार दिग्भ्रमित ही कर रहे हैं और वह जिसपर भी विश्वास कर पा रही हैं वह उनके विश्वास पर खरा नहीं उतर रहा है। वैसे जिस तरह प्रदेश में भाजपा की सरकार है और देश में प्रदेश मोदी लहर है उसको देखते हुए लोकसभा प्रत्याशी को चुनाव में कोई परेशानी होनी नहीं चाहिए थी और न ही उन्हे ज्यादा मेहनत की जरूरत थी लेकिन कोरिया जिले के कुछ नेताओं जिसमे जिलाध्यक्ष उनकी टीम वहीं एक अन्य टीम शामिल है जो उनकी मुस्किल बढ़ा रही है। वैसे आम कार्यकर्ताओं और पार्टी के पुराने कार्यकर्ताओं की बात माने तो उनका कहना है की वह पूरी मेहनत कर रहे हैं और प्रत्याशी की जीत वह सुनिश्चित जरूर करेंगे लेकिन उन्हे लोकसभा प्रत्याशी से केवल यही अपेक्षा होगी की जीत का श्रेय कार्यकर्ताओं को जाए आम जो बिना संसाधन साथ ही निस्वार्थ भाव से उनके लिए मेहनत कर रहे हैं मतदाताओं को जागरूक कर रहे हैं। देखा जाए तो कोरिया जिले में संगठन में बड़े बदलाव की जरूरत है वहीं ऐसे व्यक्ति को नेतृत्व प्रदान करने की जरूरत है जो हर कार्यकर्ता का सम्मान करना जानता हो जो एकला चलने वाला न हो।

कोरिया जिले में भाजपा की स्थिति छोटा जिला होने के बावजूद बेहद चिंताजनक

लोकसभा प्रत्याशी कोरिया जिले के मामले में यह जान चुकी है की यहां संगठन बिखरा हुआ है नेतृत्व बंटा हुआ है वहीं संसाधन लेने वाले दिलाने वाले अपना ही स्वार्थ सिद्ध कर रहे हैं वह या तो किसी को पार्टी में ही नीचा साबित करना चाह रहे हैं या फिर अपना स्वार्थ सिद्ध कर रहे हैं जबकि आम कार्यकर्ता बिना स्वार्थ और संसाधन पार्टी और प्रत्याशी की जीत के लिए काम कर रहा है। कोरिया जिले में भाजपा की स्थिति छोटा जिला होने के बावजूद बेहद चिंताजनक समझ में आ रही है जहां सत्ताधारी दल होने के नाते जिले में सगंठन मजबूत होना था वहीं देखा जा रहा है की संगठन एकला चलो के रास्ते अग्रसर है वहीं जो और बड़े नेता खुद को पार्टी का मानते हैं जो दावेदारी भी करते हैं विधानसभा चुनाव में वह भी इस बार केवल एक दूसरे पर ठीकरा ही फोड़ते नजर आ रहे हैं कुल मिलाकर प्रत्याशी कोरिया जिले में बड़े चेहरों के पीछे असल भाजपाइयों से अनभिज्ञ रह जा रही हैं और जिसका नुकसान भी उन्हे हो सकता है क्योंकि कोरिया जिले में भाजपा का प्रदर्शन जहां जिलाध्यक्ष के कार्यप्रणाली से खराब होना तय नजर आ रहा है वहीं कुछ अन्य नेता ऐसा चाहते भी हैं जिससे आने वाले समय में विधायक की भी इस मामले में छवि धूमिल हो और फिर उन्हे नेतृत्व मौका देकर आगे करे।

असफ़ाक 2 महीने पहले ही बने जीएसटी धारक...वहीं पिता पुत्र से चार महीने पहले बने जीएसटी धारक...फिर खाते से कैसे होता रहा करोड़ों का लेनदेन?

-फाईल:फोटो-

-फाईल:फोटो-

-फाईल:फोटो-

- » क्या जीएसटी व आयकर विभाग के अधिकारी भी असफाक उल्लाह व उनके पिता पर हैं मेहरबान की नहीं कर रहे हैं जांच?
- » असफाक कि जीएसटी फरवरी 2024 में केजीएन ट्रेडर्स के नाम से बनी तो वही पिता हैं केजीएन हार्डवेयर के संचालक...इतना बड़ा व्यापार बिना जीएसटी के कैसे हो रहा था संचालित?
- » केजीएन ट्रेडर्स के नाम पर जीएसटी लिया 2 महीने पहले पर खाते में ट्रांजेक्शन 2 साल से कैसे हो रहा है?
- » ऐसा कौन सा शेयर मार्केट का ट्रेडिंग कर रहे हैं असफाक की लोगों को अच्छा खासा दे रहे हैं रिटर्न?
- » किस नियम के तहत लोगों से पैसे लेकर बिना दस्तावेज लगा रहे शेयर मार्केट में?
- » आय से ज्यादा संपत्ति के मामले में असफाक उल्लाह उनके पिता संदेह के घेरे में...जांच की जहमत उठाएगा कौन?
- » आखिर छप रही खबरों पर जीएसटी व आयकर विभाग कब लेगा संज्ञान और कब होगी सूक्ष्मता से असफाक उल्लाह और उनके पिता के ट्रांजेक्शन की जांच?

- ओंकार पाण्डेय -
अम्बिकापुर/सुरजपुर 29 अप्रैल 2024 (घटती-घटना)।

जिले में असफाक उल्लाह का नाम अब ऐसा नाम है जो पहचान का मोहताज नहीं वहीं यदि यह कहा जाए की यह नाम पूरे प्रदेश में ख्याति प्राप्त नाम हो चुका है जो कहा जा सकता है और पूरे प्रदेश के लोग इस नाम से वाकिफ हैं। असफाक उल्लाह का नाम ऐसे ही ख्याति प्राप्त नहीं कर सका है। इसके पीछे की वजह भी काफी महत्वपूर्ण है, असफाक उल्लाह इसलिए प्रसिद्ध हैं क्योंकि वह लोगों का पैसा कम समय में दुगना कर देते हैं और जिसके कारण लोग उनके पास निवेश करते हैं वहीं असफाक उल्लाह के प्रसिद्ध होने के पीछे की दूसरी वजह यह भी है की वह विदेशी गाड़ियों में चलते हैं उनका रहन सहन उनके शौक महंगे हैं वहीं वह बेशकीमती चीजों के शौकीन हैं। अब यह तो उनकी प्रसिद्धि की बात हुई वहीं यह प्रसिद्धि उनकी संपन्नता से आई और यह संपन्नता उन्हे कैसे हासिल हुई यही महत्वपूर्ण एक विषय है जो यह बताता है की कहीं न कहीं आयकर विभाग, जीएसटी विभाग अन्य जिम्मेदार विभाग असफाक उल्लाह के मामले में मौन हैं और अनभिज्ञ बन रहे हैं जबकि खबर लगातार प्रकाशित हो रहे हैं और यह आशंका जाहिर की जा रही है की चिटफंड जैसा कोई व्यापार है यह जो जारी है जहां पैसा दोगुना किए जाने का लालच दिया जा रहा है। वैसे असफाक उल्लाह और उनके पिता के नाम से केजीएन हार्डवेयर नाम की फर्म है जिसमें असफाक उल्लाह के पिता फर्म के संचालक हैं। वैसे केजीएन फर्म का रजिस्ट्रेशन साथ ही उसका जीएसटी नम्बर हाल ही में जारी हुआ है जिसमे असफाक उल्लाह के पिता का जीएसटी हार्डवेयर रजिस्ट्रेशन कुछ माह पूर्व का है वहीं असफाक उल्लाह का जीएसटी रजिस्ट्रेशन इसी माह का है जबकि सूत्रों की माने तो उनका व्यवसाय वर्षों से जारी है और करोड़ों का लेनदेन वह अपने खातों से करते रहे हैं। वैसे पूरे मामले में सवाल यह उठता है की क्या जब बिना जीएसटी रजिस्ट्रेशन के करोड़ों का लेनदेन ट्रांजेक्शन होता रहा तब आयकर विभाग का ध्यान इस ओर क्यों नहीं गया?

जीएसटी नंबर हाल में ही जारी हुए फिर भी पहले से होते रहा करोड़ों का ट्रांजेक्शनःसूत्र

आखिर आयकर और जीएसटी विभाग क्यों रहा मौन?

असफाक उल्लाह और उनके पिता एक फर्म के संचालक हैं जिसमे उनके पिता का नाम संचालक के रूप में दर्ज है। असफाक उल्लाह और उनके पिता के नाम से संचालित फर्म का नाम केजीएन है और जिसका रजिस्ट्रेशन जीएसटी नम्बर हाल ही में प्राप्त हुआ है। असफाक उल्लाह के पिता का रजिस्ट्रेशन जहां कुछ माह पूर्व का है वहीं उनका खुद का इसी माह का रजिस्ट्रेशन है। ऐसे में सवाल यह उठता है की इसके पहले वह जो लाखों का करोड़ों का ट्रांजेक्शन करते रहे वह कैसे संभव हुआ और उसपर संबंधित जिम्मेदार विभाग की नजर क्यों नही पड़ी। वैसे सूत्रों की माने तो जीएसटी रजिस्ट्रेशन प्राप्त करने से पूर्व से ही असफाक उल्लाह का व्यवसाय बड़े स्तर पर जारी है और आर्थिक लेनदेन बड़े स्तर पर होता चला आ रहा है ऐसे में वह कैसे यह लेनदेन करते चले आ रहे हैं जिसपर किसी की नजर नहीं पड़ी यह बड़ा सवाल है। सूत्रों का यह भी कहना है की जांच होने पर बहुत बड़े मामले का खुलासा होगा जो अप्रत्याशित होगा।

खुश करके अपना व्यवसाय कर रहे हैं जिसमें सभी का हिस्सा बंधा हुआ है और इसीलिए जिम्मेदार हैं मौन?

वैसे अब असफाक उल्लाह और उसके पिता के जीएसटी रजिस्ट्रेशन की कॉपी घटती-घटना के पास उपलब्ध है जो यह साबित करता है की असफाक का व्यवसाय जीएसटी रजिस्ट्रेशन अभी प्राप्त कर सका है जबकि करोड़ों का लेनदेन वह करते आ रहे हैं। इस मामले में अब आयकर विभाग,जीएसटी विभाग अन्य सतर्कता विभाग सवालों के दायरे में हैं क्योंकि यदि असफाक उल्लाह और उनके पिता के फर्म को लेकर लगातार समाचार प्रकाशित हो रहा है जिसमे गड़बड़ी की आशंका जाहिर की जा रही है तो संबंधित सभी विभाग जांच क्यों नहीं कर रहे हैं मौन क्यों हैं बड़ा सवाल है। वैसे असफाक उल्लाह की संपत्ति भी काफी बढ़ी है हाल फिलहाल में और बताया जा रहा है की उन्होंने कई बेशकीमती संपत्ति अर्जित की है जो सूत्रों के हवाले से खबर है ऐसे में आय से अधिक संपत्ति का भी मामला उनके ऊपर बनता है जो जांच का ही विषय है। वैसे बताया जा रहा है वह सभी को खुश करके अपना व्यवसाय कर रहे हैं जिसमें सभी का हिस्सा बंधा हुआ है और इसीलिए जिम्मेदार मौन हैं।

व्यवसाय की आखिर कब होगी जांच,जो व्यवसाय लोगों को भी दे रहा बड़ा मुनाफा?

असफाक उल्लाह का व्यवसाय क्या है कोई नहीं जानता क्योंकि जो वह दिखाते हैं वह असल नहीं है वहीं जो असल है उसकी हकीकत कुछ लोग ही जानते हैं। उनके व्यवसाय की सबसे बड़ी खासियत यह है की उनका व्यवसाय लोगों को भी बड़ा मुनाफा दे रहा है शर्त केवल इतनी है की लोग उनके पास नकद निवेश करें। अब ऐसा कौन सा व्यवसाय है जहां नकद निवेश पर निश्चित मुनाफा वह भी दुगना मुनाफा कम नहीं समय में असफाक उल्लाह प्रदान कर रहे हैं यह जांच का विषय हो सकता है। वैसे असफाक उल्लाह के मामले में कब जांच होगी कब उनका व्यवसाय क्या है सही है गलत है साबित होगा यह अभी बड़ा प्रश्न है। असफाक उल्लाह फिलहाल लोगों का पैसा दोगुना लगातार कर रहे हैं लोगों को वह अपने प्रभाव में बनाए हुए हैं और यह प्रभाव कब तक बना रहेगा कब तक मामले की जांच नहीं होगी कब तक जिम्मेदार विभाग मौन रहेंगे यह देखने वाली बात होगी।

सिर्फ बिल बेचते हैं व्यापार के नाम पर

दुकान तो काफी आलीशान व बड़ा बनाया गया है पर इस दुकान में सामान से ज्यादा कुछ बिकता है तो जीएसटी वाला बिल, जीएसटी वाले बिल की कहानी भी कुछ अजीबोगरीब है सामान मत लिजिए और उसके एवज में आपको बिल मिल जाएगा, ताकि आप जहां चाहे वहां बिला लगा सकते हैं यदि इनके जीएसटी बिल की भी जांच की जाए तो देखा जाएगा कि सरगुजा संभाग के बाहर के लोग इनसे जीएसटी बिल खरीदते हैं अब समझ में यह नहीं आता है कि आखिर क्या सरगुजा के बाहर के लोगों को वहां पर हार्डवेयर दुकान नहीं मिलती जो यहां से बिल लेने शिवप्रसादनगर आते है यह भी एक जांच का विषय है इस पर भी यदि संबंधित विभाग जांच करें तो परत दर परत कई राज खुलेंगे।

आखिर आय से ज्यादा संपत्ति के मामले में विभाग मौन क्यों?

असफाक उल्लाह और उनके परिवार की संपत्ति हाल फिलहाल में काफी बढ़ी है। उनकी संपत्ति के गाड़ियां जिसमे विदेशी गाडियां हैं आभूषण हैं और अन्य अचल संपत्ति हैं जैसा सूत्रों का दावा है। अब कम समय में ज्यादा संपत्ति वह भी आय से ज्यादा संपत्ति अर्जित करने मामले में संबंधित विभाग मौन क्यों हैं यह बड़ा सवाल है। असफाक उल्लाह का साम्राज्य बढ़ता ही जा रहा है और हकीकत से सभी वाकिफ हैं की असल व्यवसाय क्या है। अब उसके बावजूद भी जिम्मेदार मौन हैं जो सोचने वाली बात है। सवाल यह भी उठता है की क्या असफाक उल्लाह ने सभी का जिम्मेदार लोगों का मुंह बंद कर दिया है जिसके कारण उनके ऊपर न कार्यवाही हो रही है न जांच ही उनके विरुद्ध हो पा रही है। वाहन से लेकर दुकान तक में इजाफ हुआ है।

आयकर विभाग व जीएसटी विभाग की कार्यवाही का इंतजार

आयकर विभाग और जीएसटी विभाग असफाक उल्लाह मामले में प्रकाशित खबरों से वाकिफ नहीं होंगे यह कहना सही नहीं होगा। अब आयकर विभाग जीएसटी विभाग कब कार्यवाही करते हैं यह देखने वाली बात होगी। वैसे असफाक उल्लाह मामले में उनके व्यवसाय की जांच यदि आयकर विभाग जीएसटी विभाग करता है बहुत बड़ा मामला सामने आएगा यह तय है।। सूत्रों की माने तो करोड़ों अरबों का खेल समाने आने की पूरी संभावना है।

समय पर लौट रहे पैसे इस वजह से बचे हुए हैं शिकायत से,जैसे ही पैसे की देनदारी में रुकावट आएगी...शिकायतों की लगेगी बौछार?

असफाक उल्लाह का व्यवसाय चिटफंड का है यह उसकी प्रवृत्ति से जाहिर है क्योंकि कम समय में पैसा दोगुना करना अन्य व्यवसाय में संभव नहीं है। असफाक उल्लाह का व्यवसाय फिलहाल इसलिए भी बिना शिकायत चल रहा है क्योंकि उनके पास पैसे निवेश करने भी लोग पहुंच रहे हैं वहीं वह इसी कारण निवेश करने वालों को समय पर पैसे वापस कर पा रहे हैं। उनका व्यवसाय तब प्रभावित होगा तब शिकायत होगी जब देनदारी में रुकावट आयेगी और ऐसा तब होगा जब निवेश कम होता चला जाएगा। वैसे माना जा रहा है की हाल फिलहाल में निवेश में कमी आई है और यदि यह कमी बरकरार रही तो जल्द ही शिकायत की बौछार होने वाली है वहीं तब जिम्मेदार विभाग क्या कार्यवाही करेगें अपनी पिछली उदासीनता को लेकर मामले में क्या तर्क देंगे जबकि वह चाहते कार्यवाही पहले हो जाती और लोगों का नुकसान होने से बच जाता। वैसे अभी भी समय है यदि असफाक उल्लाह के मामले में संबंधित जिम्मेदार विभाग ध्यान दें तो एक बड़ा रैकेट पकड़ा जा सकता है वहीं लोगों का पैसा डूबने से बचाया जा सकता है, वैसे असफाक खबर के बाद से काफी सतर्कता बरत रहे है फोन बी उठाना कम कर दिया है।

मोदी सरकार ने 10 साल में महंगाई और रोजगार पर क्या काम किया यह आम जनता को बताए न की साल 2047 का झूठा सपना दिखाए : सचिन पायलट

- संवाददाता -
कोरबा,29 अप्रैल 2024 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ कांग्रेस के प्रभारी सचिन पायलट रविवार को कोरबा दौरे पर थे. रजगामार में सचिन पायलट हेलीकॉप्टर से पहुंचे. रजगामार स्कूल ग्राउंड में शाम को उन्होंने एक जनसभा को संबोधित किया । सभा के दौरान सचिन पायलट ने कोरबा लोकसभा से कांग्रेस प्रत्याशी ज्योत्सना महंत के पक्ष में चुनाव प्रचार कर जनता से उनके पक्ष में मतदान करने की अपील की ,साथ ही उन्होंने केंद्र की भाजपा सरकार पर हमला बोलते हुए कहा

कि,10 साल का कार्यकाल काम करने के लिए काफी होता है । 8 साल का बच्चा आज 18 साल का हो गया है । मोदी सरकार ने 10 साल में महंगाई रोकने के लिए क्या किया ? साथ ही कितने रोजगार दिए, ये उन्हे उन बेरोजगार नौजवानों को बताना चाहिए बजाए इसके वे साल 2047 का झूठा सपना दिखा रहे है । कार्यक्रम के दौरान श्री पायलट के साथ पीसीसी दीपक बैज, नेता प्रतिपक्ष चरण दास महंत,पूर्व कैबिनेट मंत्री जय सिंह अग्रवाल सहित कार्यकर्ता,पदाधिकारीगण सहित आम नागरिक मौजूद रहे ।

प्रशासनिक अधिकारियों सहित आम नागरिकों ने साइकल चलाकर मतदाताओं को किया प्रेरित

- संवाददाता -
कोरबा,29 अप्रैल 2024 (घटती-घटना)।

लोकसभा निर्वाचन 2024 अन्तर्गत कोरबा के मतदाताओं को मतदान करने हेतु प्रेरित करने स्वीप अन्तर्गत गतिविधियां जिला प्रशासन द्वारा निरंतर संचालित की जा रही है। इसी कड़ी में साइकल रैली, दिव्यांग रैली, नववधू सम्मेलन, मेहंदी, रंगोली एवं शपथ कार्यक्रम, कॉलेज/स्कूली छात्र-छात्राओं का मानव श्रृंखला, एनसीसी, एनएसएस एवं स्काउट गाइड द्वारा नुक्कड़ नाटक, फ्लैशमॉब कार्यक्रम के तहत कॉलेज के बच्चों द्वारा डांस आदि का आयोजन कर मतदाताओं को जागरूक किया गया। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अजीत वसंत सहित जिले सभी अधिकारियों की उपस्थिति में शहर के आम नागरिकों, युवाओं तथा विद्यार्थियों ने साइकल रैली सहित अन्य कार्यक्रमों में शामिल होकर लोकतंत्र को मजबूत बनाने का संकल्प लिया। इस दौरान शहरवासियों में मतदान को लेकर उत्साह नजर आया। कलेक्टर एवं नगर निगम आयुक्त ने शपथ दिलाकर सभी को 07 मई मतदान दिवस के दिन मतदान करने की अपील की। सीएसईबी ग्राउण्ड में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कलेक्टर श्री वसंत ने कहा कि हमें संविधान से मतदान करने का अधिकार मिला है। हम अपने अधिकारों का प्रयोग करके जैसा समाज व सिस्टम चाहते हैं, देश के लोकतंत्र को मजबूत बनाना चाहते हैं तो मतदान अवश्य करना चाहिए। भले ही चुनाव 05 साल में एक बार आता है लेकिन यह हम सभी के लिए बहुत महत्व रखता है। कलेक्टर ने कहा कि शहरी मतदाता भी इसे अपना अधिकार व कर्तव्य मानते हुए घर से बाहर निकलें और अपने पसंद का उम्मीदवार चुनें। उन्होंने बच्चों से अपील की कि वे अपने माता-पिता एवं घर परिवार के सदस्यों को मतदान के लिए प्रेरित करें।

जिला प्रशासन द्वारा खेल एवं युवा कल्याण विभाग के माध्यम से कलेक्टोरेट परिसर से सीएसईबी फुटबाल ग्राउंड तक सायकल रैली निकाली गई। सायकल रैली में कलेक्टर श्री अजीत वसंत, वनमण्डलाधिकारी कोरबा अरविंद पीएम, जिला पंचायत सीईओ संबित मिश्रा, नगर निगम आयुक्त श्रीमती प्रतिष्ठा ममगाई, एसडीएम कोरबा श्रीकांत वर्मा, महिला एवं बाल विकास अधिकारी श्रीमती रेणू प्रकाश, उप संचालक कृषि अजय अनंत, डीईओ टी. पी. उपाध्याय, सीएसपी रविन्द्र मीणा, प्राचार्य डॉ. साधना खरे, उप संचालक समाज कल्याण श्रीमती सिनीवाली गोयल सहित जिला प्रशासन, पुलिस, वन विभाग, नगर पालिक निगम सहित शहर के युवाओं विद्यार्थियों और आम नागरिकों ने अपनी भागीदारी दी।

मतदान अधिकारियों के द्वितीय चरण के प्रशिक्षण में अनुपस्थित रहने पर दो सहायक शिक्षक निलंबित

- संवाददाता -
कोरबा,29 अप्रैल 2024 (घटती-घटना)।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अजीत वसंत द्वारा लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 हेतु 16 अप्रेल को आयोजित मतदान अधिकारियों के द्वितीय चरण के प्रशिक्षण में अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित पाये जाने पर दो सहायक शिक्षक एल.बी.क्रमशःराजेश कुमार तिवारी, शासकीय प्राथमिक शाला बासीनखार एवं कृपाल सिंह मरकाम शासकीय प्राथमिक शाला पुटुवा के विरूद्ध विभागीय जांच संस्थित करते हुए तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कोरबा द्वारा जारी आदेश के अनुसार लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 हेतु मतदान अधिकारियों का द्वितीय चरण का प्रशिक्षण 16 अप्रेल को दोपहर 1.30 बजे से 5.30 बजे तक विद्युतगृह उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कोरबा में आयोजित किया गया था, जिसमें राजेश कुमार तिवारी सहायक शिक्षक एल.बी.शासकीय प्राथमिक शाला बासीनखार विकासखंड कोरबा को मतदान अधिकारी दो नियुक्त कर प्रशिक्षण में उपस्थित होने हेतु आदेशित किया गया था। किंतु राजेश कुमार तिवारी उक्त प्रशिक्षण से अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित पाये गये। उक्त संबंध में उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। जिसका जवाब श्री तिवारी द्वारा प्रस्तुत नहीं किया गया। श्री तिवारी के विरूद्ध विभागीय जांच संस्थित करते हुए तत्काल प्रभाव से उन्हे निलंबित किया जाकर उनका मुख्यालय कार्यालय विकासखंड शिक्षा अधिकारी कोरबा नियत किया गया है। निलंबन अवधि में इन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता की पात्रता होगी।

इसी तरह लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 हेतु मतदान अधिकारियों का द्वितीय चरण का प्रशिक्षण 16 अप्रेल को प्रातः 10 बजे से दोपहर एक बजे तक स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय पोड़ीउपरोड़ा में आयोजित किया गया था, जिसमें कृपाल सिंह मरकाम सहायक शिक्षक एल.बी.शासकीय प्राथमिक शाला पुटुवा विकासखंड पोड़ीउपरोड़ा को मतदान अधिकारी-दो नियुक्त कर प्रशिक्षण में उपस्थित होने हेतु आदेशित किया गया था। किंतु कृपाल सिंह मरकाम उक्त प्रशिक्षण से अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित पाये गये। उक्त संबंध में उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। जिसका जवाब संतोषप्रद नहीं पाये जाने पर कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा श्री मरकाम के विरूद्ध विभागीय जांच संस्थित करते हुए तत्काल प्रभाव से उन्हे निलंबित किया जाकर उनका मुख्यालय कार्यालय विकासखंड शिक्षा अधिकारी पोंड़ीउपरोड़ा नियत किया गया है। निलंबन अवधि में इन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता की पात्रता होगी।

CMYK

संक्षिप्त खेल समाचार

ऑस्ट्रेलिया की टीम से कटेगा स्टीव स्मिथ का पत्ता ?

» जेक फेजर-मैकग्रुक को मिलेगा मौका

सिडनी,29 अप्रैल 2024। ऑस्ट्रेलियाई अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ को आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप से बाहर किए जाने की संभावना है। रिपोर्ट्स के अनुसार, फैब 5 बैटर मेन इन येलो के साथ यूएसए और वेस्टइंडीज की यात्रा नहीं करेगा। लेकिन 22 वर्षीय जेक फ्रेजर-मैकग्रुर्क को टी20 वर्ल्ड कप के लिए ऑस्ट्रेलिया की टीम में शामिल किया जा सकता है। स्टीव स्मिथ पिछले कुछ समय से टी20 क्रिकेट में खराब प्रदर्शन कर रहे हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज खेलने के बावजूद स्टीव स्मिथ को टी20 वर्ल्ड कप के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम में नहीं चुना जाना तय है। टेस्ट और वनडे में शानदार बल्लेबाजी करने वाले बल्लेबाज स्मिथ टी20 में प्रभाव डालने में अभी तक नाकामयाब नजर आए हैं। जहां स्टीव स्मिथ को बाहर का रास्ता दिखाय जा सकता है, वहीं युवा जेक फ्रेजर-मैकग्रुक को उनकी टी20 वर्ल्ड कप के कप ऑस्ट्रेलिया की टीम में शामिल किया जाना तय माना जा रहा है। 22 वर्षीय खिलाड़ी आईपीएल 2024 में अपने पहले सीनज में दिल्ली कैपिटल्स के लिए लगातार तबाड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए रन बना रहा है।

लखनऊ मुंबई इंडियंस मैच आज

» भारतीय टीम के टी 20 विश्व कप के लिये चयन से पहले केएल राहुल के लिये दूसरे विकेटकीपर के रूप में चयन का दावा पुख्ता करने का एक और मौका होगा

लखनऊ,29 अप्रैल 2024। टी 20 विश्व कप के लिये भारतीय टीम के चयन से पहले केएल राहुल के लिये दूसरे विकेटकीपर के रूप में चयन का दावा पुख्ता करने का एक और मौका होगा जब उनकी कप्तानी वाली लखनऊ सुपर जाइंट्स इंडियन प्रीमियर लीग के मैच में मंगलवार को मुंबई इंडियंस से खेलेगी। टी 20 क्रिकेट में राहुल का स्ट्राइक रेट चिंता का सबब रहा है। पावरप्ले में फील्डिंग पाबंदियों के बावजूद राहुल आईपीएल में धीमी शुरूआत करते आये हैं। उन्होंने हालांकि इस सत्र में इसमें बदलाव किया। अभी तक वह 2024 सत्र में 144 . 27 की औसत से 378 रन बना चुके हैं। वैसे ऋषभ पंत का स्ट्राइक रेट 160 . 60 और संजू सैमसन का 161 . 08 रहा है। पंत की जगह टी20 विश्व कप टीम में लगभग पक्की है चूंकि विकेटकीपिंग और बल्लेबाजी दोनों में उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया है। वहीं राजस्थान रॉयल्स के लिये आक्रामक पारियां खेलकर संजू ने भी अपना दावा मजबूती से रखा है। ऐसे में राहुल को अधिक आक्रामक खेलना होगा ताकि उनकी टीम बड़ा स्कोर बना सके और वह भी अपना दावा मजबूत कर सके। लखनऊ को पिछले मैच में राजस्थान रॉयल्स ने सात विकेट से हराया था।

अब क्विंटोन डिकॉक, मार्कस स्टोइनिस और निकोलस पूरन पर तेजी से रन बनाने की जिम्मेदारी होगी। उनके सामने मुंबई का गेंदबाजी आक्रमण है जिसे दिल्ली कैपिटल्स के बल्लेबाजों ने रविवार को मैदान के चारों ओर धुना था। युवा जैक फ्रेसर मैकगुर्क के स्ट्रोक्स का मुंबई के गेंदबाजों के पास कोई जवाब नहीं था। जसप्रीत बुमराह जैसे विश्व स्तरीय गेंदबाज ने भी 19 रन पहले ओवर में दे डाले। ल्यूक वुड और हार्दिक पंड्या तो काफी महंगे साबित हुए। मुंबई की टीम अंकतालिका में नौवे स्थान पर है और प्लेआफ की दौड़ में बने रहने के लिये उसे सारे मैच जीतने होंगे। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और टी 20 में नंबर एक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव से उम्दा पारियों की उम्मीद होगी। इस सत्र में बल्ले और गेंद दोनों से नाकाम रहे हार्दिक को विश्व कप टीम में जगह बनाने के लिये अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

टी 20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए न्यूज़ीलैंड ने 15 सदस्यीय टीम का किया एलान

नईदिल्ली, 29 अप्रैल 2024। टी20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए न्यूजीलैंड ने अपने 15 सदस्यीय टीम का एलान कर दिया है। केन विलियमसन ही इस टूर्नामेंट में न्यूजीलैंड के कप्तान होंगे। न्यूजीलैंड ने हाल ही में पाकिस्तान के खिलाफ पांच मैचों की टी 20 सीरीज खेली थी। हालांकि फुल स्क्वॉड वाली टीम पाकिस्तान दौरे पर नहीं गई थी. वहीं कप्तान केन विलियमसन इन दिनों आईपीएल 2024 के लिए भारत में मौजूद है और वह गुजरात टाइटंस का हिस्सा हैं। बता दें कि आईसीसी ने सभी टीमों को 1 मई तक अपनी टीम का ऐलान करने के लिए कहा है, लेकिन न्यूजीलैंड ने उससे पहले 29 अप्रैल (सोमवार) को ही अपने टीम का एलान कर दिया। इस बार टी 20 वर्ल्ड कप अमेरिका और वेस्टइंडीज की मेजबानी में खेला जाएगा। टी 20 विश्व कप की शुरुआत तो 1 जून से होगी, लेकिन न्यूजीलैंड इस टूर्नामेंट में अपने अभियान की शुरुआत 7 जून से अफगानिस्तान के खिलाफ मैच से करेगी। बता दें कि न्यूज़ीलैंड ग्रूप-सी में रखा गया है।

टी20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए न्यूजीलैंड की टीम में अनुभवी और युवा खिलाडिय़ों का अच्छा बैलेंस दिखाई दे रहा है। टीम में केन विलमयसन, ट्रेंट बोल्ट, टिम साउदी और डेरिल मिचेल जैसे अनुभवी खिलाड़ी मौजूद हैं। तो वहीं मार्क चैपमैन और रचिन रवींद्र जैसे युवा खिलाडिय़ों को भी मौका दिया गया है। रचिन रवींद्र भारत में खेले गए वनडे वर्ल्डकप 2023 में भी न्यूजीलैंड का हिस्सा थे और शानदार प्रदर्शन किया था। रचिन इन दिनों आईपीएल 2024 के लिए भारत में हैं. और वह चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खेल रहे हैं. वहीं न्यूजीलैंड के स्क्वाड का एलान बच्चों ने किया।

विलियमसन (कप्तान), फिन एलन, ट्रेंट बोल्ट, माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, डेवोन कॉनवे,लॉकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, डेरिल मिचेल, जेम्स नीशम, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रविंद्र, मिचेल सेंटनर, ईश सोढ़ी और टीम साउदी।

टी20 विश्व कप 2024 के लिए भारतीय टीम के लिए ये खिलाडी है युवराज सिंह की पसंद

मुंबई,29 अप्रैल 2024। पूर्व भारतीय ऑलराउंडर युवराज सिंह ने माना कि चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के ऑलराउंडर शिवम दुबे आगामी टी20 विश्व कप में टीम इंडिया के लिए गेम-चेंजर हो सकते हैं।मौजूदा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 में अपने शानदार प्रदर्शन को देखते हुए, शिवम दुबे भारत की टी 20 विश्व कप टीम में जगह बनाने के लिए दावेदार हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने अभी तक टीम की घोषणा नहीं की है। शोपीस इवेंट.अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा अपने इंस्टाग्राम पर साझा किए गए एक वीडियो में, युवराज सिंह ने आईपीएल में अपने बल्लेबाजी प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि शिवम दुबे को टी 20 विश्व कप टीम में होना चाहिए। ठीक है, ईमानदारी से कहूं तो, मैं शिवम दुबे को टीम में देखना चाहूंगा क्योंकि वह टीम के अंदर और बाहर होते रहे हैं। इस आईपी में, वह वास्तव में अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं और वह ऐसे व्यक्ति हैं जो गेम-चेंजर हो सकते हैं। पूर्व टी 20 वर्ल्ड कप विजेता ने कहा.जाहिर है, ऐसे कई अन्य लोग हैं जो पिछले कुछ समय से खेल रहे हैं, लेकिन मुझे लगता है कि मैं व्यक्तिगत रूप से शिवम दुबे को टीम में देखना चाहूंगा। युवराज सिंह ने जोड़ा.टी 20 विश्व कप 2024 2 जून को वेस्टइंडीज और यूएसए में होने वाला है। बीसीसीआई की चयन समिति पहले से ही असमंजस में है क्योंकि उन्हें इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता के लिए खिलाड़ियों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा और चोट की चिंता के बीच भारतीय टीम को अंतिम रूप देना है।

पीसीबी ने चैंपियंस ट्रॉफी के लिए आईसीसी को भेजा शेड्यूल

लाहौर, 29 अप्रैल 2024। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अगले साल की चैंपियंस ट्रॉफी के लिए कराची, लाहौर और रावलपिंडी को आयोजन स्थल के रूप में चुना है और भारत की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए हाइब्रिड मॉडल पर विचार किए जाने की अटकलों के बावजूद इस बात पर जोर दिया है कि टूर्नामेंट देश में ही रहेगा। .चैंपियंस ट्रॉफी, जो आखिरी बार 2017 में इंग्लैंड में आयोजित की गई थी, अगले साल फरवरी-मार्च में अस्थायी रूप से आयोजित होने की उम्मीद है।भारत ने अभी तक भागीदारी की पुष्टि नहीं की है और ऐसी अटकलें हैं कि अगर टीम को यात्रा के लिए सरकारी मंजूरी नहीं मिलती है तो आईसीसी हाइब्रिड मॉडल का उपयोग कर सकता है और देश के मैचों को तटस्थ स्थान पर आयोजित कर सकता है। आईसीसी ने पहले ही स्पष्ट कर दिया है कि पाकिस्तान में होने वाले मैचों का कार्यक्रम भेज दिया है।

आईसीसी की सुरक्षा टीम आई और हमारी बहुत अच्छी बैठक हुई। उन्होंने यहां व्यवस्थाओं को देखा और हम उनके साथ स्टेडियम उन्नयन योजनाएं भी साझा करेंगे।नकवी ने बताया, हम यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रहे हैं कि हम पाकिस्तान में एक बहुत अच्छे टूर्नामेंट की मेजबानी करें।÷पीसीबी इस बात पर अड़ा हुआ है कि भारत को समायोजित करने के लिए टूर्नामेंट में किसी भी तरह का बदलाव नहीं किया जाएगा। वह किसी भी सदस्य देश को सरकारी नीति की अवहेलना करने के लिए नहीं कहेगा।पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने लाहौर में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, हमने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए

अभिनेत्री से निर्माता बनीं सामंथा रूंथ प्रभु

पोस्टर के साथ नई फिल्म बंगाराम का किया एलान

ऊ अंटावा गर्ल फेम सामंथा रुथ प्रभु अपने 36वां जन्मदिन के खास मौके पर उनके सभी दोस्त, रिश्तेदार सेलेब्स और फैंस की लगातार शुभकामनाएं उनके सोशल मीडिया पर आ रही हैं। अपने बर्थडे को और भी खास बनाने के लिए सामंथा ने अपने फैंस के लिए एक सरप्राइज दिया है। दरअसल, आज जन्मदिन के मौके पर सामंथा ने अपनी नई फिल्म की घोषणा करते हुए फिल्म का एक पोस्टर भी शेयर किया है।सामंथा की आगामी फिल्म का नाम बंगाराम है। सामंथा रुथ प्रभु ने कुछ ही घंटों पहले अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर अपनी नई फिल्म की घोषणा की है। इसेक साथ ही सामंथा ने फिल्म का पोस्टर भी साझा किया है। इस पोस्टर में सामंथा का अबतक का सबसे खूंखार लुक दिखाई दे रहा है। इस पोस्टर में सामंथा अपने हाथ में बंदूक पकड़े हुए दिखाई दे रही हैं। उनके चेहरे पर खून के छींटे दिखाई दे रहे हैं। फिल्म बंगाराम में उनका यह लुक लोगों को डरा भी रहा है और पसंद भी आ रहा है। सामंथा की फिल्म बंगाराम का यह पोस्टर अब फैंस के बीच चर्चा का विषय बन गया है। उनका यह सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। सामांथ ने कुछ ही घंटों पहले फिल्म का पोस्टर और मोशन वीडियो शेयर किया है। सामंथा ने पोस्ट को शेयर करते हुए लिखा, सुनहरा होने के लिए हर चीज का चमकदार होना जरूरी नहीं है, बंगाराम जल्द ही शुरू होगा।फिल्म बंगाराम के पोस्टर को देखकर फैंस काफी उत्साहित हो गए हैं। फैंस को अभिनेत्री का यह दमदार लुक काफी पसंद आ रहा है। फैंस लगातार उनके जन्मदिन के साथ ही इस लुक को लेकर भी कमेंट कर रहे हैं। एक ने लिखा है, हैप्पी बर्थ डे क्वीन, एक और फैन ने लिखा, वैरी कूल पोस्टर। एक फैन ने लिखा, बंगाराम ऑन फॉयर।, एक और फैन ने लिखा, पोस्टर को देखकर तो मेरे रौंगटे खड़े हो गए। उम्मीद करता हूं कि यह फिल्म सुपर हिट हो। फिर से एक बार हैप्पी बर्थ डे लव।फिल्म बंगाराम के अलावा सामंथा सिटाडेल- हनी बनी सीरीज में नजर आएंगी। राज और डीके द्वारा निर्देशित इस सीरीज में सामंथा के अलावा वरुण धवन भी हैं। स्पाई थ्रिलर सीरीज प्राइम वीडियो पर रिलीज की जाएगी।

नये फिल्म में अक्षय कुमार के साथ शामिल हुए आफताब शिवदासानी

आफताब शिवदासानी 16 साल बाद वेलकम टू द जंगल में अक्षय कुमार के साथ फिर से नजर आए हैं। दोनों ने आखिरी बार आवारा पागल दीवाना में स्क्रीन स्पेस शेयर किया था। आफताब ने सुपरस्टार के साथ तब और अब की एक अजीब तस्वीर पोस्ट करके इसकी घोषणा की। आफताब शिवदासानी वेलकम टू द जंगल का हिस्सा हैं। अभिनेता उन कई सितारों में से एक है जो इस परियोजना का हिस्सा हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर इसकी घोषणा करते हुए अक्षय कुमार के साथ पहले और बाद की एक नासमझ तस्वीर पोस्ट की। आवारा पागल दीवाना के 16 साल बाद ये सितारे एक बार फिर साथ आए हैं। फोटो शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, 16 साल के अंतराल पर ली गई पहली तस्वीर (2008 और 2024)। जैसा कि आप देख सकते हैं, कुछ भी नहीं बदला है। इस दीवाना को इस पागल जंगल में स्वागत करने के लिए आवारा को धन्यवाद। ! वेलकम 3 की घोषणा पहली बार सितंबर 2023 में ए कैपेला के रूप में की गई थी। वेलकम 3, जिसका

नाम वेलकम टू द जंगल है, वेलकम फ्रेंचाइजी की तीसरी फिल्म है। फिल्म में अक्षय कुमार, संजय दत्त, अरशद वारसी, दिशा पटानी, रवीना टंडन, लारा दत्ता, परेश रावल हैं। श्रेयस तलपड़े, और कई अन्य। क्लिप में 24 कलाकार हैं।वेलकम टू द जंगल का निर्देशन अहमद खान ने किया है। इस समूह का नेतृत्व अक्षय कुमार कर रहे हैं, जो अपनी कॉमिक टाइमिंग के लिए प्रसिद्ध हैं। उनके साथ संजय दत्त, सुनील शेट्टी, अरशद वारसी, परेश रावल, जॉनी लीवर, राजपाल यादव, तुषार कपूर, श्रेयस तलपड़े, कृष्णा अभिषेक, कीकू शारदा, दलेर मेहंदी, मीका सिंह, राहुल देव, मुकेश सहित प्रतिभाओं का एक शानदार समूह शामिल है। तिवारी, शारिब हाशमी, इनामुलहक, जाकिर हुसैन, यशपाल शर्मा। रवीना टंडन, लारा दत्ता, जैकलीन फर्नांडीज, दिशा पटानी और वृही कोडवारा जैसी अभिनेत्रियां आकर्षण बढ़ा रही हैं।जियो स्टूडियोज और बेस इंडस्ट्रीज ग्रूप वेलकम टू द जंगल प्रस्तुत करता है। यह ज्योति देशपांडे और फ़रिज़ ए नाडियाडवाला द्वारा निर्मित और अहमद खान द्वारा निर्देशित है। यह फिल्म 20 दिसंबर 2024 को रिलीज होने वाली है।

परिणीति को इन एक्टर्स के लिए करनी पड़ी थी कॉफी ऑर्डर

एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा (35) हमेशा सुर्खियों में रहती हैं। परिणीति ने पिछले साल आम आदमी पार्टी के युवा हैंडसम नेता राघव चड्ढा के साथ शादी की थी। शादी राजस्थान के उदयपुर में 24 सितंबर को हुई थी। इसके बाद परिणीति ने कई दिनों तक शादी से जुड़े अलग-अलग समारोहों की झलकियां अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पेश की थीं। फिर हर खास अवसर पर भी फैंस के लिए फोटो और वीडियो शेयर किए। ये तो बात हुई परिणीति की पर्सनल लाइफ की।

परिणीति इन दिनों अपनी फिल्म अमर सिंह चमकीला को लेकर लाइमलाइट में हैं। इसकी परफोरमेंस के लिए परिणीति तारीफें बटोर रही हैं। परिणीति ने हाल ही में एक इंटरव्यू दिया, जिसमें अपने पुराने दिनों का जिक्र किया जब वह यशराज फिल्म्स के ऑफिस में बतौर इंटर्न काम करती थीं। परिणीति ने करीब डेढ़ साल तक वहां नौकरी की थी। परिणीति ने राज शमानी को उनके पॉडकास्ट में दिए इंटरव्यू में कहा कि मैंने रानी मुखर्जी के लिए 'दिल बोले हड़िप्पा', दीपिका पादुकोण-नील नीतिन मुकेश की 'लफंगे परिंदे' और अनुष्का शर्मा-शाहिद कपूर की 'बदमाश कंपनी' के लिए प्रमोशन किया था। मैंने इन सभी एक्टर्स के लिए इंटरव्यू लाइनअप किए और इनके लिए कॉफी ऑर्डर की थी। बतौर इंटर्न मेरी आखिरी फिल्म 'बैंड बाजा बारात' थी। वे जर्नलिस्ट, जिनके लिए टर्न रहते हुए मैंने सेलिब्रिटीज के इंटरव्यू अरेंज किए थे, वही अब मेरा इंटरव्यू ले रहे हैं..नौकरी छोड़ने के कुछ दिनों बाद, मेरे पास आदित्य चोपड़ा का फोन आया तो मैं हैरान हो गई कि वे क्यों फोन कर रहे हैं। कास्टिंग डायरेक्टर शानू शर्मा के साथ मेरा ऑडिशन टेप देखने के बाद आदित्य ने मुझे 3 फिल्मों का ऑफर दे दिया था। बता दें कि इसके एक महीने बाद 'लेडीज वर्सेस रिकी बहल' में परिणीति की शुरुआत हुई। परिणीति का जुड़ाव 11 साल से ज्यादा समय तक रहा। इस दौरान उन्होंने 'इश्कजादे', 'हंसी तो फंसी' और 'मेरी प्यारी बिंदू' जैसी फिल्मों में यादगार अभिनय किया। वह हाल ही में स्टूडियो से अलग हुई थीं। परिणीति ने खुलासा किया कि उन्हें हीरोइन बनने के लिए वजन कम करने को कहा गया था। परिणीति ने कहा कि मुझे सलाह दी गई थी कि बस अपना वजन कम करो, ग्लैमरस बनो, बस टिपिकल हीरोइन वाली चीजें करो। मैं इसे करने के लिए बहुत उत्साहित थी। मैंने बस यह सुना और मैं उस रास्ते पर चली गई। फिर मैंने ग्लैमरस बनने की कोशिश की, मैंने ऐसी

फिल्में करने की कोशिश की जिनमें मेरे दो गाने हों और एक अतिथि भूमिका हो और इससे ज्यादा कुछ नहीं। इसलिए मैंने इस सलाह को सुनने में 4-5 साल बर्बाद कर दिए। मुझे कहा गया कि सिर्फ कॉमर्स का पालन करें, बस बड़ी फिल्में करें, बस वही करें जो अन्य अभिनेत्रियां कर रही हैं। आपको भी ऐसा करना चाहिए। यही मेरी सबसे बड़ी प्रेरणा थी या यह एक बड़ी गलती थी। मुझे वजन कम करने के लिए एक पोषण विशेषज्ञ और एक फिटनेस विशेषज्ञ को प्रति माह 4 लाख रुपए का भुगतान करने की सलाह दी गई थी। परंतु मैं इसे वहन नहीं कर सकती थीं क्योंकि मुझे अपनी पहली फिल्म के लिए काम करना था। जिसके लिए मुझे 5 लाख रुपए मिले थे। मुझे तब बहुत अपमानित महसूस होता था जब लोग वो कपड़े पहनने की सलाह देते थें जिन्हें मैं अफोर्ड नहीं कर पाती थी।

गैंग्स ऑफ गोदावरी का टीजर जारी,राउडी अंदाज में दिखे विश्वक सेन

प्रभावशाली राउडी फेलो और एक आकर्षक रोमांटिक-कॉम, चल मोहन रंगा के साथ अपने निर्देशन की शुरुआत के बाद, प्रतिभाशाली निर्देशक कृष्णा चैतन्य ने अब एक रोमांचक नए उद्यम, गैंग्स ऑफ गोदावरी के लिए युवा नायक विश्वक सेन के साथ मिलकर काम किया है। अपनी पिछली शैली से हटकर, निर्देशक और अभिनेता दोनों इस एक्शन से भरपूर फिल्म के साथ दर्शकों का दिल जीतने आ रहे हैं। इसी बीच फैंस के उत्साह को और ज्यादा बढ़ाने के लिए निर्माताओं ने इसका टीजर जारी कर दिया है। टीजर लंकला रत्ना के चरित्र का एक मनोरंजक परिचय प्रदान करता है, जो नाटकीय रूप से साई कुमार के वॉयसओवर के साथ शुरू होता है। टीजर में, हम जबरदस्त एक्शन सीक्वेंस देखते हैं जहां विश्वक सेन का प्रदर्शन काबिल-ए-तारीफ है। आंध्र प्रदेश के लंका गांवों पर आधारित यह फिल्म कुछ गिरोहों के बीच झगड़े के बारे में लगती है। साथ ही इसके कुछ दमदार डायलॉग भी दर्शकों का खासा ध्यान आकर्षित कर रहे हैं। टीजर फिल्म के लिए काफी प्रत्याशा पैदा करता है। साथ ही एक अंधेरे और रोमांचकारी कथा की ओर इशारा करता है, जो राक्षसी दुनिया में लंकला रत्ना की गरीबों से अमीरी तक की यात्रा की पड़ताल करता है। युवान शंकर राजा के गहन पृष्ठभूमि स्कोर और अनिथ मधाडी के असाधारण दृश्यों के साथ, संपादक नवीन नूली की विशेषज्ञता से पूरित, गैंग्स ऑफ गोदावरी एक सिनेमाई तमाशा का वादा करता है। कलाकारों में प्रमुख महिला के रूप में खूबसूरत नेहा शेट्टी और महत्वपूर्ण भूमिका में प्रतिष्ठित अंजलि शामिल हैं। सूर्यदेवरा नागा वामसी और साई सौजन्या द्वारा निर्मित, यह फिल्म कृष्ण चैतन्य के निर्देशन कौशल का एक नया पहलू दिखाती है, जो दर्शकों को एक महाकाव्य अनुभव देने के लिए तैयार है। गैंग्स ऑफ गोदावरी 17 मई को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए पूरी तरह तैयार है।

हम 50 फीसदी आरक्षण की सीमा हटा देंगे...

» राहुल गांधी ने कहा- अब जनता को असली बात पता चल गई
» केंद्र सरकार पर जमकर साधा निशाना
» कहा-आरक्षण को खत्म करना चाहती है बीजेपी
» लोकतंत्र को बचाने के लिए हो रहा है चुनाव

बिलासपुर,29 अप्रैल 2024(ए)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोमवार को बिलासपुर में जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर हमला बोला। सकरी गांव में एक रैली को संबोधित करते हुए राहुल गांधी संविधान को हाथ में लेकर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंन्द्र मोदी क्या दुनिया की कोई भी ताकत इसे न तो रद्द कर सकती है और न ही इसे फाड़ सकती है। गांधी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि यह चुनाव साधारण चुनाव नहीं है। एक तरफ कांग्रेस पार्टी, इंडिया गठबंधन और दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी के लोग हैं।

गांधी ने कहा, ''वो (भाजपा) कहते हैं कि हम आरक्षण के खिलाफ नहीं है। लेकिन जब वो किसी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम का निजीकरण करते हैं तब आरक्षण खत्म करते हैं। ठेकेदारी प्रथा लागू करते हैं तब यह आरक्षण को खत्म करते हैं। जब यह 'अग्निवीर' जैसी योजना लाते हैं तो यह आरक्षण को खत्म करते हैं। उन्होंने कहा कि वह भाजपा के नेताओं को चुनौती देते हैं कि वह कहें कि वह किसी भी सार्वजनिक क्षेत्र की इकाई का निजीकरण नहीं करेंगे, वह कहें कि ठेकेदारी प्रथा को बंद कर देंगे।गांधी ने आरोप लगाया कि भाजपा की विचारधारा महात्मा गांधी, नेहरू या आंबेडकर की विचारधारा नहीं है, बल्कि उनकी विचारधारा अडानी और अंबानी जैसे चुनिंदा लोगों का समर्थन करने की है। उन्होंने कहा कि अब देश के लोग समझ गए हैं कि भाजपा और मोदी संविधान को नष्ट करने में लगे हुए हैं। उन्होंने कहा कि यह चुनाव लोकतंत्र, संविधान और गरीबों के अधिकारों को बचाने का चुनाव बन गया है। कांग्रेस के चुनावी वादों पर प्रकाश डालते हुए गांधी ने कहा कि 'इंडिया' के सत्ता में आने के बाद 50 प्रतिशत आरक्षण की सीमा हटा दी जाएगी। गांधी ने पूछा कि पहले मोदी जी कह रहे थे 400 पार, पर क्या वह अब भी यह कह रहे हैं? कांग्रेस नेता ने दावा किया कि अब चुनाव में देश के प्रत्येक दलित, पिछड़े, आदिवासी को समझ में आ गया है कि भाजपा संविधान को खत्म करना चाहती है।

उन्होंने कहा, इस चुनाव में सारे लोगों को पता लग गया है कि लोकतंत्र पर, आरक्षण पर, पब्लिक सेक्टर पर आक्रमण हो रहा है। अब यह चुनाव लोकतंत्र, आरक्षण, संविधान और गरीबों के अधिकार को बचाने का चुनाव हो गया है। यही कारण है कि अब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अबकी बार चार सौ पार नहीं बोल रहे हैं। गांधी ने कहा, ''अब (भाजपा नेताओं के) बयान आ रहे हैं कि हम संविधान के खिलाफ नहीं है, हम आरक्षण के खिलाफ नहीं हैं, हम लोकतंत्र के खिलाफ नहीं है, क्योंकि उनको मालूम हो गया है कि देश की जनता को असली बात का पता चल गया है।

अप्रेंटिसशिप का देंगे अधिकार

उन्होंने कहा, सत्ता में आने पर हम युवाओं को प्रशिक्षुता (अप्रेंटिसशिप) का अधिकार देंगे। भारत के सभी शिक्षित युवाओं को सरकारी या निजी कंपनियों में एक साल की अप्रेंटिसशिप मिलेगी और उनके खाते में वार्षिक वजीफा के रूप में एक लाख रुपये भेजे जाएंगे।यह योजना मोदी जी द्वारा बनाई गई बेरोजगारी की दीवार को तोड़ देगी।

सात मई को होगी वोटिंग

गांधी ने कहा कि जब वह महालक्ष्मी और प्रशिक्षण योजनाओं के बारे में बात करते हैं, तो मीडिया इसे नहीं दिखाता। उन्होंने कहा कि मीडिया अरबपतियों के बारे में बात करता है, वह 24 घंटे उनकी शादियां दिखाएंगे लेकिन भूख से लड़ते किसान टेलीविजन पर नजर नहीं आते। गांधी ने कहा कि 'इंडिया' के सत्ता में आने पर कृषि ऋण माफ कर दिया जाएगा और कृषि उपज पर न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी दी जाएगी।

22 लोगों के पास 70 करोड़ भारतीयों के बराबर संपत्ति

उन्होंने कहा कि मोदी जी को छोड़ दीजिए, दुनिया में कोई शक्ति पैदा नहीं हुई है जो संविधान को रद्द कर सके, इसे फाड़कर फेंक सके। कांग्रेस नेता ने कहा कि भारत के एक प्रतिशत लोग देश की 40 प्रतिशत संपत्ति पर नियंत्रण रखते हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी पर चुनिंदा लोगों को फायदा पहुंचाने का आरोप लगाया। गांधी ने कहा, उन्होंने 22 लोगों को 16 लाख करोड़ रुपये दिए, जिसका मतलब है कि उन्होंने 22 लोगों को मनरेगा (मजदूरी) के 24 साल का पैसा सौंप दिया। 22 लोगों के पास 70 करोड़ भारतीयों के बराबर संपत्ति है। भारत के एक प्रतिशत लोगों का देश की 40 प्रतिशत संपत्ति पर नियंत्रण है, यह नरेंद्र मोदी जी की देन है।राहुल गांधी ने कहा कि अगर कांग्रेस और 'इंडिया' गठबंधन केंद्र में सत्ता में आता है, तो वह देश में गरीब परिवारों की एक सूची बनाएगा और महालक्ष्मी योजना के तहत ऐसे प्रत्येक परिवार की एक महिला के खाते में सालाना एक लाख रुपये भेजे जाएंगे। गांधी ने कहा कि मोदी जी ने देश के युवाओं को परेशान किया है और बेरोजगारी दर 45 साल के उच्चतम स्तर पर है।

आधी रात को ट्रक-पिकअप के बीच भीषण टक्कर

» भीषण सड़क हादसे में 6 महिलाओं के साथ 4 मासूमों की मौत
» मालवाहक और मिनी ट्रक में हुई आमने-सामने भिड़ंत

बेमेतरा-रायपुर,29 अप्रैल 2024 (ए)। जिले में आधी रात को भीषण सड़क हादसा हो गया। हादसे में अब तक 6 महिलाओं और 4 बच्चों समेत 10 की मौत हो चुकी है। जबकि 23 लोग घायल हो गए। भाजपा विधायक दीपेश साहू ने जिला अस्पताल जाकर घायलों से मुलाकात की। एक मालवाहक वाहन और मिनी ट्रक की टक्कर से यह दर्दनाक हादसा सामने आया है। जानकारी के अनुसार, हादसा बेमेतरा थाना इलाके के कठिया गांव में पेट्रोल पंप के पास हुआ। बताया जा रहा है कि सड़क के किनारे खड़े मिनी ट्रक में मालवाहक वाहन टकराने से दर्दनाक हादसा हुआ है।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह दुर्घटना रविवार देर रात कठिया गांव के पास हुई, पीड़ित एक पारिवारिक समारोह में शामिल होने के बाद लौट रहे थे। हादसे का शिकार सभी लोग पथर्रा गांव के निवासी थे, तिरैया गांव में एक पारिवारिक समारोह में शामिल होने के बाद लौट रहे थे। अधिकारी ने बताया कि मालवाहक वाहन सड़क किनारे खड़े मिनी ट्रक से टकरा गया।

मृतकों के नाम -

भूरी निषाद (50 वर्ष)
नीरा साहू (55 वर्ष)
गीता साहू (60 वर्ष)
अग्निया साहू (60 वर्ष) पति हगरु साहू
मधु साहू (5 वर्ष) पिता दिलीप साहू
खुशबू साहू (39 वर्ष) पति दिलीप साहू
रिकेश निषाद (6 वर्ष)
ट्विंकल निषाद (6 वर्ष)
रत्ना साहू (50 वर्ष)

घायलों के नाम...

कु. निशा यादव (उम्र 12 साल) पिता जफला यादव, 2. मति मालती यादव (38वर्ष) पति विश्राम साहू, 3. डिंपल (13वर्ष) पिता राजेश साहू, 4. कविता (40वर्ष) पति तिजराम साहू, 5. सुकिया बाई (40वर्ष) पति रमेश देवांगन, 6. दुखिया बाई (45 वर्ष) पति रामनाथ यादव, 7. हेमलता साहू (14वर्ष) पिता डुलेस्वर साहू, 8. कु रेणुका साहू (14वर्ष) पिता राजेंद्र साहू, 9. उर्मिला बाई (50वर्ष) पति सुशील साहू, 10. उषा साहू (42वर्ष) पति संजय साहू, 11. प्रेमु साहू (36 वर्ष) पिता भीखम साहू, 12. लोकेश साहू (20 वर्ष), 13. सुनीता साहू (50 वर्ष), 14. पूर्णिमा साहू (8 वर्ष), 15. दीपिका साहू (12 वर्ष), 16. लोकपाल साहू (12 वर्ष), 17. पुन्नी यादव (60 वर्ष), 18. अहिल्या बाई (55 वर्ष), 19. रामेश्वरी साहू (28 वर्ष), 20. सोनबती (60 वर्ष), 21. अज्ञात महिला (55 वर्ष), 22. अज्ञात महिला (50 वर्ष)

कलेक्टर ने ली जानकारी

कलेक्टर रणवीर शर्मा ने बताया कि बेमेतरा हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर नौ हो गई है और 23 घायल हैं जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

विधायक पहुंचे अस्पताल

भाजपा विधायक दीपेश साहू ने जिला अस्पताल पहुंचकर घायलों से मुलाकात की। साहू ने कहा कि जिले में हुआ यह एक दुखद सड़क हादसा है। एक कार ने खड़ी गाड़ी को टक्कर मार दी। इस हादसे में नौ लोगों की मौत हो गई है। सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जिनकी हालत गंभीर है, उन्हें रायपुर एम्स में भर्ती कराया गया है। हम मृतकों के परिजनों के साथ हैं। प्रशासन हरसंभव मदद करने की कोशिश कर रहा हैं।

करोपति प्रत्याशियों को मात देने चुनावी मैदान में उतरी गरीब महिला

कोरबा,29 अप्रैल 2024 (ए)। चुनाव पक्षपातपूर्ण हो या निष्पक्ष, इस प्रणाली में किसी को ज्यादा संसाधन मिलता हो या किसी को कम लेकिन इस लोकतांत्रिक प्रणाली की सबसे बड़ी ख़ूबसूरती यही हैं कि यहाँ चुनाव हर कोई लड़ सकता हैं। सिस्टम उन्हें मौक़ा देता हैं जूझने का, संघर्ष का, लड़ने का। ये और बात हैं कि कुछ ही इस लड़ाई को जीत पाते हैं। हार पर गुमनाम हो जाते हैं और जीतकर मानों बाजीगर। बहरहाल आज हम बात कर रहे हैं प्रदेश के सबसे गरीब उम्मीदवार शान्ति बाई मरावी की जो इस लोकतंत्र की ख़ूबसूरती पर चार चाँद लगा रही हैं। शहरी आभामंडल से दूर वादियों के बीच रहने वाली आदिवासी बैगा समाज की शांतिबाई का मुकाबला ज्योत्सना महंत और सरोज पांडेय जैसे कद्दावर और बड़े चेहरों से हैं।

शांति बाई के पास दो बैंक खाते हैं। एक खाली हैं तो दूसरे खाते में मामूली रकम। खुद के नाम पर एक एकड़ से कुछ ज्यादा जमीन हैं। सादगी का गहना पहने शांति बाई के पास सोने-चांदी भी नाममात्र के हैं जिसका जिक्र उन्होंने अपने शपथ पत्र में किया हैं। संयुक्त परिवार में रहने वाली शांति बाई चुनाव लड़ रही हैं इसपर उनके परिजनों को भी कोई खास दिलचस्पी नहीं हैं, हां उनके पति शांति बाई के साथ हैं और कुछ गाँवों से समर्थन मिलने का दावा कर रहे हैं।

शांति बाई ने बताया हैं कि वह पहले भी सरपंच और जनपद का चुनाव लड़ चुकी हैं। बैगा समाज के लिए किसी ने काम नहीं किया और इसी बात ने उन्हें चुनाव लड़ने के लिए प्रेरित किया। शांति बाई का कहना हैं कि अगर उन्हें कोई प्रलोभन दे तो वह उस झांसे में नहीं आएगी हालांकि अबतक किसी ने भी उन्हें उम्मीदवारी वापस लेने को नहीं कहा हैं। शांति बाई कहती हैं कि अब जब लड़ रहे हैं तो लड़ेंगे, पीछे क्यों हटेंगे। शांति बाई के गाँव की सड़क भी पक्की नहीं हैं। कच्चा मकान हैं लेकिन जज्बा बेहद पक्का। शांति बाई भारतीय लोकतंत्र की श्रेष्ठ उदाहरण हैं, वह इस प्रक्रिया की ख़ूबसूरती हैं। शांति बाई जैसों के लिए ही एक नज्म थी कि 'मैं खुद जमीन मेरा जर्फ़ आसमान सा हैं, कि टूटकर भी देख मेरा हौसला चट्टान सा हैं। देखना दिलचस्प की शांति बाई इस चुनाव में चमकते चेहरों को कितनी चुनौती दे पाती हैं।

रायपुर डीआरएम के कर्मचारी पर हमला

रायपुर,29 अप्रैल 2024 (ए)। राजधानी में गुंडे बदमाशो के हौसले बुलंद बने हुए हैं। अब गली मोहल्ले छोड़ सरकारी कॉलोनियों में बेखौफ घुसकर मारपीट कर लूट की घटनाओं को अंजाम दे रहे है। बीती रात लोको रेलवे कॉलोनी में एक घटना हो गई। ड्यूटी से वापस लौटे रेल कर्मचारी को घर का ताला खोलते हुए 5-10 अज्ञात बदमाशों ने घर में घुसकर मारपीट के बाद मोबाइल लूटकर हुए फरार हो गए। रेलवे कर्मचारी हार्दिक दास डीआरएम ऑफिस के पीआरओ सेक्शन में एमटीएस के पद पर पदस्थ हैं। दास को कई गंभीर चोटें आई हैं। उनका इलाज चल रहा है ।दास की रिपोर्ट पर गुढियारी पुलिस पड़ताल कर रही है।

23 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

दंतेवाड़ा,29 अप्रैल 2024 (ए)। हिंसा का रास्ता छोड़कर समाज की मुख्यधारा में शामिल होने और लोन वर्राटू (घर वापस आइए) अभियान से प्रभावित होकर 23 माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया। माओवादियों ने पुलिस अधीक्षक दंतेवाड़ा के समाने हथियार डाले। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सली भैरमगढ़ एरिया कमेटी में सक्रिय थे। ये माओवादी बंद के दौरान रोड खोदना, पेड़ काटना एवं नक्सली बैनर-पोस्टर लगाने की घटनाओं में शामिल थे। इससे पहले पुलिस ने माओवादियों से हिंसा की राह छोड़कर समाज की मुख्यधारा में शामिल होनी की अपील की थी। इसका व्यापक असर माओवादियों पर हुआ और 23 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण करके लोकतंत्र और संविधान में विश्वास जताया। पुलिस अधीक्षक दंतेवाड़ा ने कहा कि आत्मसमर्पित माओवादियों को छत्तीसगढ़ शासन की पुनर्वास योजना के तहत 25-25 हजार रुपए प्रोत्साहन राशि एवं पुनर्वास योजना के तहत मिलने वाले सभी प्रकार के लाभ दिए जाएंगे। बता दें कि लोन वर्राटू अभियान के तहत अब तक 177 इनामी माओवादी सहित कुल 761

नक्सली आत्मसमर्पण कर समाज के मुख्यधारा में जुड़ चुके हैं। जिला पुलिस बल और सीआरपीएफ ने सभी भटके माओवादियों से अपील की है कि हिंसा की धारा छोड़कर समाज की मुख्यधारा से जुड़ने के लिए निकटतम थाना अथवा कैंप में संपर्क करें और क्षेत्र के विकास में अपना अमूल्य योगदान दे।

जिले में पुलिस को एक बड़ी कामयाबी मिली है। जहां सर्वाधिक नक्सल प्रभावित बस्तर जिले में लगभग दो दर्जन नक्सलियों ने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण किा है। बताया जा रहा है कि ये सभी नक्सली अलग अलग इलाकों में सक्रिय थे। एसपी गौरव रॉय ने बताया कि जिला मुख्यालय में लोन वर्राटू अभियान के तहत 23 नक्सलियों ने पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया है। समर्पण करने वाले ये सभी नक्सली अलग अलग इलाकों में सक्रिय थे। आपको बता दें कि प्रदेश में सत्ता परिवर्तन होते ही नक्सलियों का आतंक खत्म होते जा रहा है। लगातार नक्सली अब कमजोर पड़ते जा रहे हैं। हाल ही में हुए नक्सली हमले में 29 नक्सलियों को जवानों ने ढेर किया। जिसके बाद अब नक्सलियों में खौफ बना हुआ है।

पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़,एक नक्सली ढेर

छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित क्षेत्र सुकमा जिले के सलातोंग इलाके में पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुआ. इस मुठभेड़ में दोनों ओर से गोलीबारी हुई.। जिसमें जवानों ने एक नक्सली को ढेर कर दिया है। वहीं जवानों को भरी पड़ता देख नक्सली जंगल की ओर भाग निकले. घटनास्थल से मारे गए नक्सली के साथ के साथ नक्सल सामग्री बरामद किया गया है। इस मुठभेड़ की पुष्टि एसपी किरण चव्हाण ने की है.।

जानकारी के अनुसार, 28 अप्रैल को सुकमा जिले के थाना किस्टाराम क्षेत्र अंतर्गत पेसेलपाड़ और आस पास के जंगल पहाड़ी में किस्टाराम एरिया कमेटी के माओवादिओं की उपस्थिति की सूचना मिली। जिस पर डीआरजी,बस्तर फाइटर और 208 वाहिनी कोबरा की संयुक्त पार्टी ऑपरेशन पर रवाना हुई थी.। ऑपरेशन के दौरान आज सुबह लगभग 07: 00 बजे पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुआ। मुठभेड़ के बाद घटना स्थल की गहन सर्चिंग करने पर हथियार सहित एक नक्सली और अन्य नक्सली सामग्री बरामद किया गया है।. फिलहाल, मृत नक्सली के शव की शिनाख्तगी की जा रही है। सुरक्षा बलों का इस क्षेत्र में सर्चिंग ऑपरेशन जारी है।

दर्द से तड़पता रहा बच्चा

» सोनोग्राफी टेस्ट के लिए इंतजार करती रही गर्भवती महिला,
» जिला अस्पताल का वीडियो वायरल

जांजगीर,29 अप्रैल 2024 (ए)। जिला अस्पताल जांजगीर में पदस्थ चिकित्सा बाल हठ से ग्रसित हो गए हैं दिनांक 27.4.2024 की ही तरह आज दिनांक 29.4.2024 को निर्धारित प्रातः ओपीडी के समय में केवल पांच चिकित्सक केंसर रोग के डॉ पटेल, एमडी मेडिसिन डॉ खांडा, ईएनटी विभाग की डॉ कश्यप , हड्डी रोग के डॉ चौहान, उपस्थित दिखे बाकी अन्य ड्यूटी से नदारत रहे सबसे बड़ी विडंबना यह दिखाई दी। अमोरा गांव से गर्भवती महिला विगत दो दिनों से सोनोग्राफी टेस्ट के लिए बैठी हुई है समय पर इलाज नहीं होने पर उसकी स्थिति निरंतर बिगड़ती ही चली जा रही है।

केवल एक आशा में की डॉक्टर आएंगे उसका टेस्ट करेंगे वह बैठी इंतजार में एक उचित अनिवार्य इलाज के लिए तरस रही है उसकी इतनी आय नहीं की बाहर जाकर निजी संस्थानों में अपनी जांच करा ले। उस महिला एवं उसके परिजनों के द्वारा जनता से रिश्ता के समक्ष अपनी पीड़ा व्यक्त की गई। इसी तरह शिशु रोग विशेषज्ञ के नहीं होने पर दूर दराज गांवों से आए एक परिवार का बच्चा दर्द में फर्श पर लेटा हुआ मिला। जब इस संबंध में सिविल सर्जन अनिल जगत से बात की गई तो उनके द्वारा वही रटा रटाया जवाब मिला देखता हूं,दिखवाता हूं। इस संबंध में जब मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी से बात की गई तो मुख्य चिकित्सा अधिकारी स्वती वंदना सिसोदिया द्वारा कड़ी से कड़ी कार्यवाही करने एवं हेल्थ डायरेक्टर को कार्यवाही हेतु पत्र लिखने की बात कही गई।

ईडी अफसरों की सुरक्षा का जिम्मा अब सीआईएसएफ को

रायपुर,29 अप्रैल 2024 (ए)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों पर हमले की लगातार बढ़ती घटनाओं के बाद गृह मंत्रालय ने बड़ा फैसला लिया है। अब कई शहरों में ईडी दफ्तरों के बाहर केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के जवानों की तैनाती की जाएगी। गृह मंत्रालय ने यह फैसला ईडी अधिकारियों को सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उठाया है। सूत्रों का मुताबिक ईडी के कोलकाता, रांची, रायपुर, जयपुर, जालंधर, कोच्चि और मुंबई कार्यालयों के बाहर सीआईएसएफ की तैनाती जल्द हो सकती है। सीआईएसएफ ही एकमात्र ऐसा केंद्रीय अर्धसैनिक बल है जिसे आमतौर पर प्रतिष्ठानों के बाहर तैनात किया जाता है। इसके हवाले एयरपोर्ट, मेट्रो से लेकर कई बड़ी कंपनियों के ऑफिस हैं। इसके अलावा कई वीवीआईपी को भी सीआईएसएफ का कवर मिला हुआ है। इनमें मुकेश अंबानी समेत कई बड़े उद्योगपति मौजूद हैं।

मोबाइल चोरी करना एक युवक को पड़ा महंगा

» मोबाइल झपटा और ट्रेन से कूदा चोर... हो गई ऐसी हालत

दुर्ग,29 अप्रैल 2024 (ए)। चलती ट्रेन से मोबाइल चोरी करना एक युवक को महंगा पड़ गया। दरअसल आज दुर्ग से रायपुर जाने वाली लोकल ट्रेन में मोबाइल चोरी कर चलती ट्रेन से युवक कूद गया। चलती ट्रेन से कूदने के चलते युवक घायल हो गया। जीआरपी और 112 की मदद से घायल युवक को दुर्ग जिला हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। तेजी से जमीन पर गिरने से युवक का पैर फैक्चर हुआ है। बताया जा रहा कि आरोपी युवक ने एक यात्री से फोन पर अपने रिश्तेदार से बात करने के लिए मोबाइल मांगा, लेकिन

युवक बात करने के बहाने चलती ट्रेन से मोबाइल लेकर कूद गया, जिससे वह घायल हो गया. इसके बाद यात्रियों ने चेन पुलिंग के माध्यम से ट्रेन रोका। जीआरपी और 112 की मदद से घायल युवक को दुर्ग जिला हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)